Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 136 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शुक्रवार 15 नवम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

तप और त्याग की भावना करने से धन अपने आप बढ़ता है।

Wealth automatically increascs if the feeling of penance and abstinence exists.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

दो दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस एवं अंतर्राज्यीय लोक नृत्य महोत्सव का भव्य शुभारंभ

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान से बदलेगी छत्तीसगढ़ के आदिवासी गांवों की तस्वीर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जन्म जयंती के अवसर पर आज रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में दो दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस एवं अंतर्राज्यीय आदिवासी लोक नृत्य महोत्सव का देवगुड़ी में पूजा-अर्चना और दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम के तहत दो दिनों तक विभिन्न विषयों पर संगोष्ठी, जनजातीय चित्रकला प्रदर्शनी के साथ-साथ देश के 21 राज्यों के 28 आदिवासी नर्तक दलों द्वारा मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने लोगों को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर भगवान बिरसा मुंडा सहित शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गेंद सिंह, गुण्डाधुर को नमन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा करके जनजातीय समुदाय का गौरव बढ़ाया है। इसके लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री जी का आभार जताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस की भव्य शुरूआत 13 नवम्बर से जशपुर से हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातीय समुदाय की जितनी चिंता की है, उतनी किसी ने नहीं की है। पूर्व प्रधानमंत्री श्री वाजपेयी जी ने देश की 10 करोड़ जनजातीय आबादी के कल्याण के लिए पृथक मंत्रालय बनाया। पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदाय के गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी बिहार के जमुई से कल 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा आदिवासी गांवों के समग्र विकास के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किया गया है।

रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में शुरू हुआ राज्य स्तरीय रंगा-रंग आयोजन

देश के 21 राज्यों के आदिवासी नर्तक दल देंगे मनोहारी प्रस्तुति

छत्तीसगढ़ राज्य की नई औद्योगिकी नीति 2024-30 लांच

राज्य की नई औद्योगिक नीति को हमने रोजगार परक बनाया है : सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज शाम नवा रायपुर के मेफेयर रिसार्ट में छत्तीसगढ़ राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 को लांच किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने इस नई नीति को रोजगार परक और विजन-2047 के अनुरूप विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना को ध्यान में रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण का लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई उद्योग एक हजार से अधिक युवाओं को रोजगार देता है तो हम उसे बी-स्पोक पॉलिसी के तहत और अधिक रियायतें देंगे। युवाओं को रोजगार मूलक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर हमने इस नीति में प्रति व्यक्ति 15 हजार रूपये प्रतिमाह तक का अनुदान देने का प्रावधान भी किया है। हमने पहली बार इस नीति के माध्यम से राज्य में पर्यटन एवं स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं में निवेश को भी प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है।

बढ़ते प्रदूषण से दिल्ली में सांस लेना मुश्किल, एक्शन प्लान 15 नवंबर से लागू

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। बढ़ते प्रदूषण के कारण दिल्ली गैस चैम्बर बन चुकी है। ऐसे में लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। इस पर काबू करने के लिए ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP-3) लागू करने की घोषणा कर दी गई है। राजधानी समेत पूरे एनसीआर में 15 नवंबर से इसे लागू किया जाएगा। जीआरएपी के तीसरे चरण के रूप में बीएस-III पेट्रोल, बीएस-IV डीजल वाहनों पर कल से प्रतिबंध द्य निर्माण, विध्वंस, गैर-जरूरी खनन गतिविधियों को रोका जाना है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता गुरुवार को 'गंभीर' श्रेणी में रही, एक्यूआई 428 पर दिल्ली की वायु गुणवत्ता इस सप्ताह 'गंभीर' स्तर पर पहुंचने के बीच वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने कल से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण 3 को लागू करने का फैसला किया है।

जबकि GRAP-3 प्रभावी है, निर्माण और विध्वंस रोक दिया जाएगा, सभी गैर-आवश्यक खनन गतिविधियाँ निलंबित कर दी जाएंगी, गैर-इलेक्ट्रिक, गैर-सीएनजी, और गैर-बीएस-VI डीजल अंतरराज्यीय बसें प्रतिबंधित कर दी जाएगी, और स्कूलों को सुझाव दिया जाएगा दिल्ली-एनसीआर में कक्षा 5 तक बंद रखें। **-कमलनयन नारंग**

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशव्यापी धान खरीदी महापर्व का किया शुभारंभ

पहले दिन प्रदेश में 55 हजार मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी, राज्य के 14567 किसानों ने बेचा धान

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश में आज खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरूआत हो गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बालोद जिले के भांठागांव (बी) धान खरीदी केन्द्र से प्रदेशव्यापी धान खरीदी महापर्व का शुभारंभ किया। धान खरीदी 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। प्रदेश के विभिन्न जिलों में आज पहले दिन लगभग 55 हजार टन धान की खरीदी हुई है। आज 14562 किसानों ने धान बेंचा है। इसी के साथ धान खरीदी का सिलसिला शुरू हो गया है। राज्य सरकार इस वर्ष 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है। इस खरीफ वर्ष के लिए 27.68 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है।

प्रकाश पर्व पर खालसा स्कूल के कार्यक्रम में शामिल होने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को किया आमंत्रित

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर में सिक्ख समाज के द्वारा श्री गुरुनानकदेव जी के प्रकाश पर्व पर खालसा स्कूल में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसमें शामिल होने के लिए सिक्ख समाज का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात करते हुए उन्हे आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा नेता मनमोहन चावला, लवली अरोड़ा, मोनू सलूजा, सोनू सलूजा, नरेन्द्र सलूजा और सिक्ख समाज के सम्मानित सदस्य शामिल थे। श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल को आयोजन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

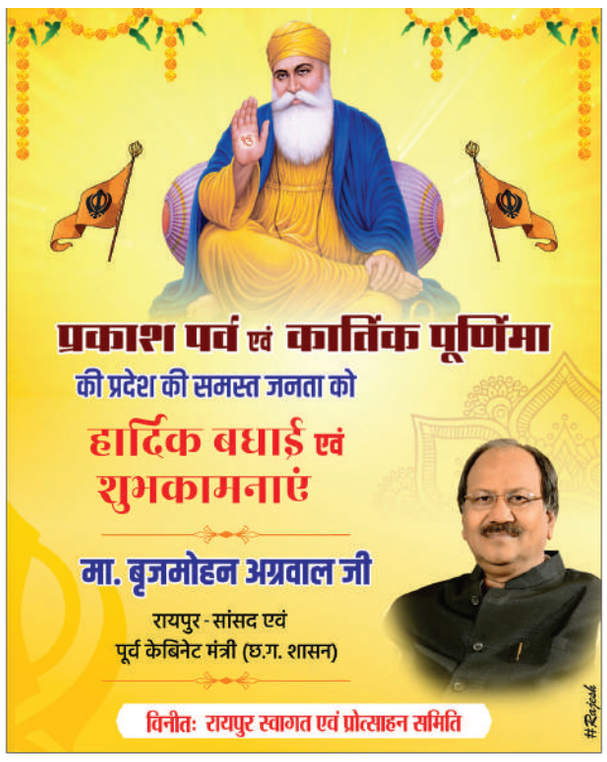

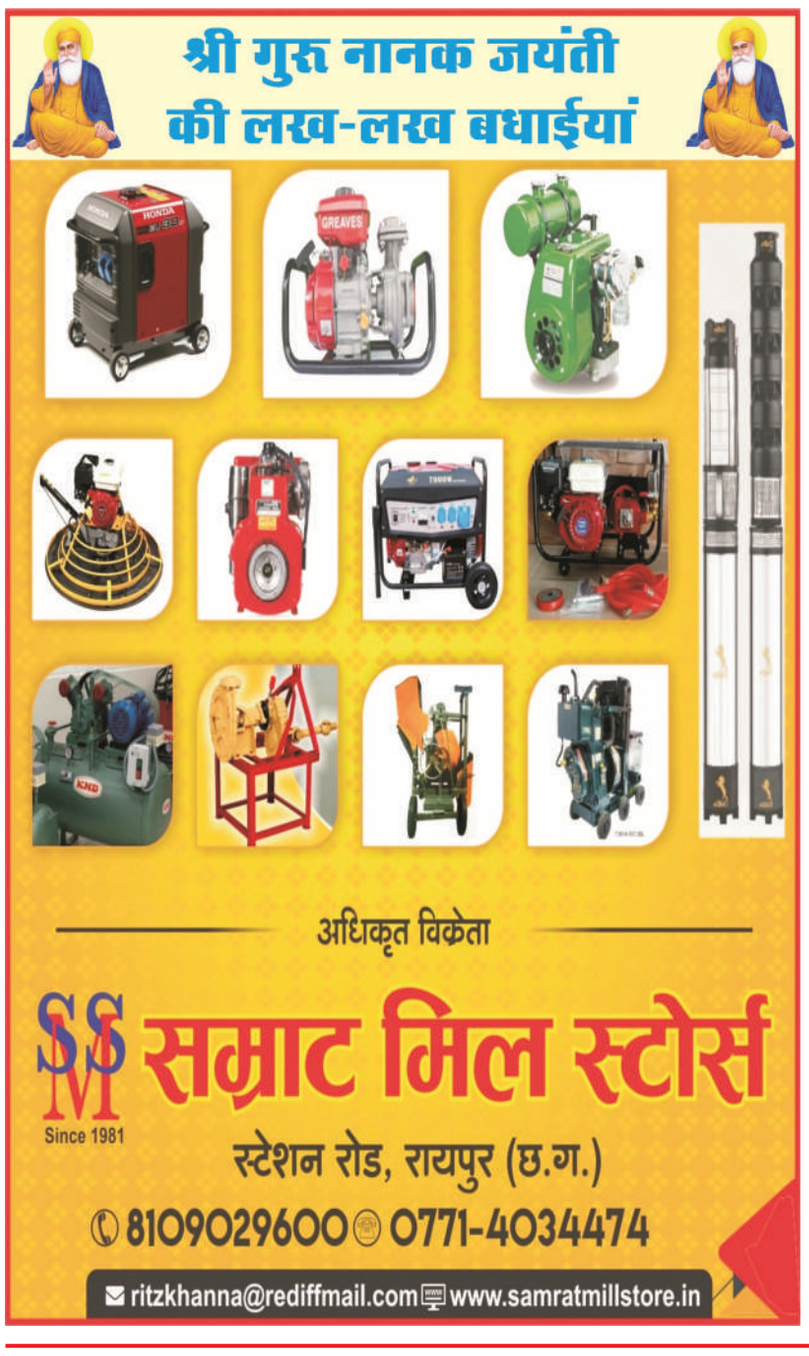

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, शुक्रवार 15 नवम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम भिलाई के आयुक्त पद का चार्ज लिया राजीव पाण्डेय ने

भिलाई (विश्व परिवार)। नगर निगम भिलाई के आयुक्त पद का चार्ज लिया राजीव पाण्डेय ने। भिलाईनगर। आज नगर पालिक निगम भिलाई में आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा चार्ज लिया गया। चार्ज लेते ही उन्होने कहा कि शासन द्वारा चलाये जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओ को जनता तक पहुंचाने के लिए अधिक से अधिक प्रयास करने को कहा। सभी अधिकारी कर्मचारी शासन के दिशा-निर्देशो के अनुसार अपने दायित्वों का निर्वहन करेगें। हमारा प्रयास होगा समय अवधि में सभी कार्यों का निराकरण हो, जनता को संतुष्टि मिले। सभी सुविधाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचे।

आज पुन्नी मेला (पूर्णिमा) के पावन अवसर पर होगी मां खारुन गंगा महाआरती

रायपुर (विश्व परिवार)। महादेव घाट जन सेवा समिति और करणी सेना के तत्वावधान में कल, 15 नवंबर को पूर्णिमा के पावन अवसर पर मां खारुन गंगा महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष आरती का आयोजन पिछले दो वर्षों से नदियों और पर्यावरण के संरक्षण के उद्देश्य से किया जा रहा है, और अब यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम बन गया है। खारून गंगा आरती के माध्यम से नदियों और पर्यावरण के संरक्षण का अनूठा प्रयास रायपुर- खारून गंगा आरती, जो पिछले दो वर्षों से महादेव घाट पर निरंतर आयोजित की जा रही है, नदियों और पर्यावरण के संरक्षण का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन चुकी है। जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

न्यायालय डी.आर.टी. जबलपुर के आदेश पर संपत्ति पर लिया गया भौतिक कब्जा

राजनांदगांव। न्यायालय डी.आर.टी. जबलपुर के वसुलभ अधिकारी वात्सल्य कुमार के आदेश पर ग्राम तलौनी राजनांदगांव के खतरा नं. 896 एवं अन्य कृषि भूमि कुल रकबा 8.116 हे. संपत्ति स्वामी वाणी विलास मेहथल है जो कि न्यायालय द्वारा विक्रय किया गया था उक्त संपत्ति को कोर्ट कमिश्नर महेश पाडेय एडवोकेट के द्वारा बैंक अधिकारी, नायब तहसीलदार घुमका, पुलिस घुमका के गश्त बल से तथा क्षेत्रीय जन के सहयोग से गेट पर लगा ताला तोड़कर भौतिक कब्जा संपत्ति खरीददार युवराज सिंह को विधिवत सौंपा गया। उक्त कार्यवाही की सूचना टेलीफोन पर संबंधित व्यक्तियों को दी गई। उक्त स्थल पर राजेश कुमार ठाकुर मुख्य प्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा आर. ओ. एस. ए. आर वी दुर्ग, नायब तहसीलदार रामलखन चौहान, पटवारी एवं आर. आई तथा थाना प्रभारी घुमका एवं क्षेत्रीय जन उपस्थित थे।

एनआईटी रायपुर में इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। समग्र विकास को प्रोत्साहित करने और फिटनेस एवं खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में 14 नवंबर 2024 को एक अत्याधुनिक इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भव्य उद्घाटन किया गया। यह उद्घाटन एनआईटी रायपुर के शासी निकाय के अध्यक्ष डॉ. सुरेश हावरे द्वारा, एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन.वी. रमना राव और डॉ. जी.डी. रामटेक्कर, डीन (योजना एवं विकास) एनआईटी रायपुर की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर, डॉ. सुरेश हावरे ने एनआईटी रायपुर के छात्रों को संबोधित किया और उन्हें खेलकूद और फिटनेस के महत्व पर जोर देते हुए सक्रिय रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

एनआईटी रायपुर के परिसर में बना यह नया इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एक जी+1 मंजिला आरसीसी-फ्रेम्ड संरचना है, जिसमें स्टील ट्रस छत है, और इसका कुल प्लिंथ क्षेत्र 1, 451.30 वर्ग मीटर है। इसमें आधुनिक सुविधाएं और इनडोर खेलों के लिए समर्पित स्थान हैं, जिसमें लकड़ी के फर्श के साथ बैडमिंटन हॉल और टेबल टेनिस हॉल शामिल हैं। इसका निर्माण केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) रायपुर द्वारा दो वर्षों में किया गया है। इस परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 4.86 करोड़ है, जो भारत सरकार द्वारा ईडब्ल्यूएस आरक्षण संवर्धन योजना के तहत वित्त पोषित है। बाल दिवस के अवसर पर, एनआईटी रायपुर परिसर में लगभग 10, 000 वर्ग मीटर में फैला बच्चों के खेलने हेतु पार्क 'ऑक्सीजन पार्क' भी उद्घाटित किया गया। उद्घाटन समारोह में सभी डीन, डॉ. आर. के. त्रिपाठी, प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग, डॉ. एल.के. यदु, डॉ. ए.वी. अहिरवार, एसोसिएट डीन (योजना एवं विकास), श्री एस. पी. श्रीवास्तव, कार्यकारी अभियंता, श्री पवन कटारिया, सहायक कुलसचिव (योजना एवं विकास), एनआईटी रायपुर के फैकल्टी और स्टाफ उपस्थित थे। सीपीडब्ल्यूडी रायपुर के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें श्री रितेश कुमार अग्रवाल, कार्यकारी अभियंता (सिविल), वास्तुकार श्री पुष्पराज कश्यप और श्री पारस लिमजे, सहायक अभियंता (सिविल) भी उपस्थित थे।

स्वदेशी 'कवच' प्रणाली की स्थापना से भारतीय रेलवे ने संरक्षा और संकेत प्रणाली में उठाया बड़ा कदम

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेलवे ने संरक्षा और अपने यात्रियों की सेवा में सुधार के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी कड़ी में रेलवे की अत्याधुनिक 'कवच' प्रणाली, जो एक स्वदेशी और बहु-विक्रेता इंटरऑपरेबल सुरक्षा प्रणाली है, का विकास और विस्तार किया जा रहा है।

विकासक्रम- वर्ष 2012 में, ककोदकर समिति ने भारतीय रेलवे के लिए डिजिटल रेडियो आधारित सिग्नलिंग और सुरक्षा प्रणाली के उपयोग की सिफारिश की थी। वर्ष 2014-15 में दक्षिण मध्य रेलवे के 250 किलोमीटर खंड पर इस प्रणाली की स्थापना की गई। वर्ष 2020 में 'कवच' को राष्ट्रीय स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन) प्रणाली के रूप में घोषित किया गया। वर्ष 2024 में, कवच 4.0 संस्करण के परीक्षण के बाद इसे कोटा और सवाई माधोपुर खंड (108 किलोमीटर) के बीच सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इस प्रणाली की विशेषताएं इसे भारतीय रेलवे की विविध यातायात चुनौतियों को प्रभावी ढंग से संभालने में सक्षम बनाती हैं। यह प्रणाली विभिन्न प्रकार के ट्रैफिक, स्पीड अंतर, और विभिन्न प्रकार की लोकों और कोचिंग तथा वैगन स्टॉक्स के अनुरूप काम करती है।

वरिष्ठ पत्रकार रमेश चंद्र शर्मा जी का निधन

वरिष्ठ पत्रकार रमेश चंद्र शर्मा के निधन प्रेस क्लब ने जताया शोक

रायपुर (विश्व परिवार)। नेहरू नगर, गुरु दत्ता मल कॉलोनी, पुलिस लाइन निवासी वरिष्ठ पत्रकार, चित्रकार रमेश चंद्र शर्मा (80 वर्ष) का निधन हो गया। श्री शर्मा ने राजधानी से प्रकाशित विभिन्न समाचार पत्रों में अपनी सेवाएं दी थीं.

वे इंटीरियर डिजाइनर देवयानी शर्मा के पिता, जयद्रथ शर्मा के बड़े भाई, मनु शर्मा, अभिषेक शर्मा, नियति शर्मा के बड़े पिता जी और न्यूज24 मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़ के स्थानीय संपादक आशीष तिवारी के ससुर थे.

उनकी अंतिम यात्रा 14 नवंबर 2024, दिन- गुरुवार, दोपहर 11 बजे, निवास स्थान से निकाली गई। अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशान घाट, बूढ़ातालाब में किया गया। संपर्क- मनु शर्मा- 098278 77047, अभिषेक शर्मा- 086020 00662, आशीष तिवारी - 9425525128.

वरिष्ठ पत्रकार रमेश चंद्र शर्मा के निधन प्रेस क्लब ने जताया शोक : वरिष्ठ पत्रकार एवं चित्रकार रमेश चंद्र शर्मा (80 वर्ष) के निधन पर रायपुर प्रेस क्लब ने गहरा शोक जताया है. श्री शर्मा पिछले कुछ समय से अस्वस्थ्य थे. उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को मारवाड़ी मुक्तिधाम में किया गया. प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने श्री शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्री शर्मा ने निधन से पत्रकारिता जगह को एक अपूर्णीय क्षति हुई है. श्री शर्मा जितना सरल व्यक्ति उन्होंने आज तक नहीं देखा. उनके जैसे बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति विरले ही होते हैं. उन्होंने राजधानी के विभिन्न समाचार पत्रों में अपनी सेवाएं दीं. समाचारों के संपादन के साथ ही पेज ले-आउट डिजाइन, विज्ञापन, रेखांकन जैसे कार्यों में उन्हें महारत हासिल थी. वे अपनी विनम्रता और मृदुभाषिता के लिए भी जाने जाते थे. उनके निधन से जो स्थान रिक्त हुआ है, उसकी कोई भरपाई नहीं हो सकती. प्रेस क्लब महासचिव डा. वैभव शिव पांडेय, उपाध्यक्ष संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई, संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी, अरविंद सोनवानी समेत सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने श्री शर्मा के निधन पर गहरा दुख जताया है. साथ ही परिजनों को इस दुख की घड़ी को सहने की शक्ति प्राप्त हो, ईश्वार से कामना की है.

गंभीर वायु गुणवत्ता से दिल्ली में घना कोहरा

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय राजधानी में देश में सबसे खराब AQI दर्ज किए जाने के एक दिन बाद, दिल्ली के निवासी गुरुवार सुबह (14 नवंबर) को 'गंभीर' वायु गुणवत्ता के साथ जाग गए, घने कोहरे ने एनसीआर को ढक दिया, जिससे दृश्यता कम हो गई।

बुधवार को, वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) इस सीज़न में पहली बार 'गंभीर' हो गया, यहां तक कि केंद्रीय प्रदूषण निगरानीकर्ता ने गिरावट के लिए 'अभूतपूर्व रूप से घने' कोहरे को जिम्मेदार ठहराया और इसे 'एपिसोडिक घटना' के रूप में वर्णित किया।

दिल्ली NCR की हवा लगातार खराब होती जा रही है. दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानि [illegible] आज भी 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया हैं. सफर के आंकड़ों के अनुसार, सुबह 6 बजे राष्ट्रीय राजधानी में AQI गिरकर 432 पर आ गया जो गंभीर श्रेणी में आता है. कल शाम 4 बजे यह 418 था.। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के अधिकांश क्षेत्रों में एक्यूआई का स्तर गंभीर दर्ज किया गया और लोगों को कोई राहत नहीं है।

दिल्ली और उसके पड़ोसी शहरों में प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित सुरक्षित सीमा से कम से कम 30-35 गुना अधिक है।

हर साल, दिल्ली और उत्तरी राज्य गिरते तापमान, धुएं, धूल, वाहनों के उत्सर्जन और फसल पराली जलाने के कारण अक्टूबर से जनवरी के सर्दियों के महीनों के दौरान खतरनाक हवा से लड़ते हैं

'गंभीर' वायु गुणवत्ता के स्वास्थ्य निहितार्थ : 'गंभीर' वायु गुणवत्ता स्तरों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और पहले से मौजूद श्वसन या हृदय की स्थिति वाले व्यक्तियों जैसे कमजोर समूहों के लिए। श्वसन संबंधी समस्याएं, आंखों में जलन और हृदय रोगों का बढ़ता खतरा खराब वायु गुणवत्ता के सामान्य परिणाम हैं।

आईएमडी ने कम से कम शनिवार तक पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित कई उत्तरी राज्यों में कोहरे की स्थिति का भी अनुमान लगाया है।

-कमल नयन नारंग

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम के साथ संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन बीएमवाय में किया गया

रायपुर डिवीजन और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने बीडीवाईडी-भिलाई में मॉक ड्रिल का आयोजन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा अपने फ्रंट लाइन स्टाफ, रेल आपदा प्रबंधन टीम एवं स्थानीय नागरिकों को गाड़ियों में होने वाली संभावित दुर्घटनाओं से अवगत कराते हुए उस आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले बचाव कार्य से संबंधित तरीकों को अभ्यास के माध्यम से प्रदर्शित करते हुए प्रशिक्षण दिए जाने की नियमित परम्परा है। ताकि वे दुर्घटना के समय किए जाने वाले बचाव कार्य के तरीकों को अपनाकर कुशलता पूर्वक राहत कार्य कर सके। यद्यपि आपदा के समय फ्रंट लाइन स्टाफ, रेल आपदा प्रबंधन टीम ART- Accident Relief Trains/ ARMV Accident Relief Medical Van एवं स्थानीय नागरिक ही बचाव कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इसी कड़ी में आज 14 नवम्बर 2024 को यह अभ्यास प्रदर्शन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल [illegible] की बटालियन मुंडाली (कटक) ओडीसा, रायपुर मंडल संरक्षा विभाग, रेल आपदा प्रबंधन टीम (ART/ARMV) की आपदा राहत टीम तथा सिविल डिफेंस द्वारा संयुक्त रूप से बी डी वाय डी/ बी एम वाय में किया गया। उक्त संयुक्त मॉक ड्रिल में एन.डी.आर.एफ., सिविल डिफेंस, स्काउट एवं गाइड से ART/ARME टीम से एवं रेलवे मेडिकल टीम, वाणिज्य, मेकेनिकल, दूरसंचार इलेक्ट्रिकल एवं अन्य विभाग मौजूद रहे। उक्त आयोजन में अग्निशामक वाहन, एंबुलेंस एवं लोकल पुलिस की उचित व्यवस्था थी।

इस प्रदर्शन में कोच के डिरेल होने को पर होने वाली स्थितियों को निर्मित किया गया। सवारी गाड़ी के डिब्बे में आग लगने की स्थिति को दर्शाते हुए यह बताया गया कि इस दौरान कैसे पीडितों को सुरक्षित बाहर निकाला जाय, एवं उनकी सहायता की जाय। रेलवे कोच को काट कर यात्रियों को निकालने के नवीन संसाधनों का उपयोग साथ ही आग को बुझाने के विभिन्न तरीकों को भी जीवंत रूप में दिखाया गया। इस अभ्यास प्रदर्शन के माध्यम से किसी भी आपदा की स्थिति से निपटने हेतु राहत एवं बचाव कार्यों की गतिविधियों को भी दिखाया गया।

इस अभ्यास के दौरान प्राथमिक उपचार केंद्र, शव गृह, अधिकारी कक्ष, मीडिया केंद्र, पूछताछ केंद्र, दूरभाष केंद्र नागरिक सुरक्षा सहायता केंद्र, एआरटी, एनडीआरएफ ऑर्गेनाइजेशन, रेलवे सुरक्षा बल सहायता केंद्र बनाए गए।

चरौदा में बाल दिवस पर बच्चों में दिखा गजब का उत्साह, फैंसी ड्रेस फैशन शो रहा आकर्षण का केंद्र

आरंग (विश्व परिवार)। बाल दिवस के अवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में बाल दिवस मनाया गया। जिसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक फैंसी ड्रेस पहनकर फैशन शो किया। जो बच्चों के लिए बड़े ही आकर्षण का केंद्र रहा। नवाचारी शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल ने बताया बाल दिवस पर बच्चों में गजब का उत्साह दिखा। बच्चे अलग-अलग आकर्षक रंगीन फैंसी ड्रेस पहने नजर आए।इस मौके पर तीन मीनट में साड़ी पहने, रस्सी कूद, खो खो, कबड्डी, कुर्सी दौड़ इत्यादि खेलों का आयोजन भी किया गया। जिसमें बच्चे उत्साह से भाग लिये।वही बाल दिवस पर ग्राम कुम्हारी निवासी समाजसेवी होरी लाल पटेल के सौजन्य से सभी बच्चों को आइसक्रीम व शिक्षकों की ओर से नमकीन व चाकलेट खिलाया गया। इस मौके पर कबीर कल्याण आश्रम ग्राम भिलाई के संत विजयेन्द्र साहेब उपस्थित होकर बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए आयोजन की सराहना किए।

सेट जेवियर हाई स्कूल और रायन इंटरनेशनल शाला में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद का आगाज

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रतिवर्षानुसार भी रायन इंटनेशल शाला में क्षेत्रीय खेलकूद प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के खेल से जुड़े कौशल को बढ़ावा देना और उनकी खेल प्रतिभा को सामने लाना था । जिसमें रायन शाला सहित सेंट जेवियर्स रायपुर दुर्ग एवं धमतरी के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आरंभ प्रभु की प्रार्थना, बाईबिल पठन व विशेष प्रर्थना के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रकाश जगत (पार्षद) विशेष रूप से उपस्थित रहे, साथ ही निष्ठा साहू, रिमा राय, नेहा वर्मा, त्रिवेणी सोनकर, आकृति तिवारी, अंकिता, निधि डोंगरे, राधा साहू, जय साहू, आदिल अहमद ने भी भागीदारी रही। जिनके सम्मान में स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया एवं स्वागत की कड़ी में नन्हा पौधा व प्रतीक चिन्ह दिया गया। क्षेत्रीय खेलकूद उत्सव में सर्वप्रथम शाला ध्वजारोहण की प्रक्रिया पूर्ण की गई तथा मशाल प्रज्वलित कर खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

चार वर्गो अंडर 10, अंडर 12, अंडर 16 और 18 में बटी इस प्रतियोगिता में बालक-बालिका अगल-अलग वर्ग में ये प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। खेल के प्रति उनका समर्पण और उनके लगन को देख कर ऐसा लग रहा थ मानो वे सब आकाश की ऊंचाइयों को छूना चाहते हो, अपना नाम अजेय करना चाहते हो । दो दिवस तक चली इस क्षेत्रीय खेलकूद प्रतिस्पर्धा में लगभग 70 से अधिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आदरणीय शाला संस्थापक डॉ. ए. एफ पिंटो सर के मतानुसार ऐसे आयोजन द्वारा विद्यार्थियों की खेल के प्रति रूचि और अपनी खेल प्रतिभा को ऊजागर करने का बेहतर अवसर मिलता है, जो चेयरमैन सर के वीजन को पूरा करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। विद्यार्थियों को खेल के प्रति जागरूक बनाने व खेल के प्रति उनका रूझान बढ़ाने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिता मील का पत्थर साबित होती है। शाला के विद्यार्थियों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया इस अवसर पर उनके अभिभावक भी उन्हें उत्साहित करते नजर आए। ऊंची उड़ान भरेंगे ऊंचाई पर रहेंगे इस बात को सिद्ध करने के लिए सभी छात्र- छात्राओं ने अपनी खेल प्रतिभा को सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने हेतु हर साल क्षेत्रीय खेलकूद स्पर्धा का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जिन्होने विजयी छात्र-छात्राओं को मैडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **सड्डू, रायपुर में स्थित एल.आई.जी. भवन क्रमांक-1292, श्री मिथिलेश गुप्ता पिता श्री हीराप्रसाद गुप्ता** के नाम से नामांतरित है, नामांतरी द्वारा उक्त भवन की विक्रय विलेख दिनांक 24/07/2012 पंजीकृत कराने के उपरांत भवन की पूर्ण राशि जमा कर नामांतरण आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में नामांतरी **श्री मिथिलेश गुप्ता पिता श्री हीराप्रसाद गुप्ता निवासी- एल.आई.जी.-844, जनता कॉलोनी, गुढ़ियारी, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को **श्रीमती शांति बाई वर्मा पति श्री काशी राम वर्मा निवासी मकान नं. पी 8/ए, सेक्टर 01, शंकर नगर कॉलोनी, शंकर नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन एवं विक्रय इकरारनामा, शपथ पत्र प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है। अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./15686/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 14-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15686
वार्ड का नाम-57-पं. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **57** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR447E00127** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **UMESH KUMAR JAIN, SATISH JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JIVAN LAL JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 मयूर जैन, 2 राहुल जैन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दोनो के पिता मिलाप चंद जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /15617/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 08-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15617
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **02** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K00225** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DIVAKAR THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **P.D. THAKUR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 NEELKANTH SAHU S/O LT. NARAYAN SAHU 2 NAIN SAHU W/O NEELKANTH SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1 NEELKANTH SAHU S/O LT. NARAYAN SAHU 2 NAIN SAHU W/O NEELKANTH SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /15714/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 14-11-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15714
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **69** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C01482** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRAKASH NARAYAN RAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PARAS NATH RAI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SURMILA LANJEWAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJU LANJEWAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **मैं जितेन्द्र कुमार सुन्दरानी - पिता रामचंद्र सुन्दरानी,** निवासी भोई पारा, सारथी चौक, हरीशचंद्र गुरूद्वारा के सामने, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) 492001 यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया **नाम जितेन्द्र सुन्दरानी पिता रामचंद्र सुन्दरानी रख लिया हू।** अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए **नाम जितेन्द्र सुन्दरानी पिता रामचंद्र सुन्दरानी** से ही जाना व पहचाना जावे।

जितेन्द्र सुन्दरानी
निवासी भोई पारा, सारथी चौक, हरीशचंद्र गुरूद्वारा के सामने, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) 492001

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, **JITENDRA KUMAR SUNDRANI S/O RAM CHANDRA SUNDRANI** resident of Bhoi Para, Sarthi chowk, harish chandra, In front gurudwara , Raipur (C.G.) 492001 have changed my old name **JITENDRA KUMAR SUNDRANI S/O RAM CHANDRA SUNDRANI** so in future, I should be recognized by new name that is **JITENDRA SUNDRANI S/O RAM CHANDRA SUNDRANI** in all Government and other documents.

JITENDRA SUNDRANI
Bhoi Para, Sarathi chowk, harishchandra, In front gurudwara , Raipur (C.G.) 492001

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शुक्रवार 15 नवंबर 2024

ऑडिटोरियम में एक दिवसीय जिला स्तरीय आवास मेले का हुआ आयोजन

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पूरे देशभर में एक बहुत बड़ा सामाजिक परिवर्तन आयाः खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल

प्रधानमंत्री आवास योजना संबंधी समस्या, शिकायत व सुझाव के जिला स्तर पर जारी हुआ हेल्पलाइन नंबर 9244049285

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पूरे देशभर में एक बहुत बड़ा सामाजिक परिवर्तन आया है, कमजोर वर्ग और मिडिल क्लास के परिवारों को घर के स्वामित्व का लाभ देने के लिए यह योजना लाई गई थी, जिससे आज लाखों आर्थिक रूप से कमज़ोर पात्र हितग्राहियों के सर पर छत है और आज वो सभी अपने पक्के घर में निवास कर रहे हैं यह वक्तव्य खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने आज तिलसिवां ऑडिटोरियम के एक दिवसीय आवास मेला जिला स्तरीय कार्यक्रम में कही। उन्होंने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब के सपने को साकार करने का संकल्प लिया है। हर गरीब का सपना होता है, कि उसका खुद का पक्का मकान हो। इस सपने को साकार करने का बीड़ा देश के प्रधानमंत्री ने उठाया। छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही 14 दिसंबर को पहली केबिनेट की बैठक में 18 लाख आवास प्रदान करने हस्ताक्षर किया गया। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ शासन आगे भी आमजन के हित फैसला लेगी और छत्तीसगढ़ को विकास की सकरात्मक दिशा देगी।

कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने कहा कि देश में 2016 से पक्का आवास बनाने की दिशा में काम हो रहा है। हमारी सरकार मोदी के एक-एक गारंटी को पूरा कर रही है। सरकार का पूरा प्रयास है कि आवास योजना का लाभ लेने से कोई पात्र हितग्राही वंचित न हो। प्रधानमंत्री आवास योजना विष्व की सबसे बड़ी किफायती आवास योजनाओं में एक है जो आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को पक्के मकान के रूप में आश्रय प्रदान कर रही है।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत स्वीकृत परिवारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योजना अंतर्गत आवास निर्माण कार्य को समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि योजना अंतर्गत दिए जाने वाले राशि का सदुपयोग करते हुए आवास निर्माण कार्य को प्रारंभ कर शीघ्र पूर्ण कराएं।

जिला स्तरीय आवास मेले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री दयालदास बघेल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्वागत की कड़ी पूर्ण होने के साथ ही सीईओ जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू योजना के प्रमुख बिंदुओं तथा आवास मेले के महत्व पर प्रकाश डाला। जिले के सफलता की कहानी से संबंधित तैयार वीडियो का प्रदर्शन किया गया। योजना से प्रशिक्षण प्राप्त कर मिस्त्री का कार्य करते हुए अपनी जीवकोपार्जन चला रहे हौसला सिंह ने अपने विचारों को मंच से साझा किया। इसी तारतम्य में पीएम आवास के हितग्राही जो आवास पाकर बहुत खुश है उनके द्वारा अपने अनुभवों को मंच के माध्यम से सबके सामने जाहिर की तथा शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इसी कड़ी में सभी 6 जनपद पंचायत के पीएम आवास के हितग्राही,मिस्त्री एवं सप्लायर्स ने आवास मेले में अपनी उपस्थिति दी। सम्मान के क्रम में प्रभारी मंत्री द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के नवीन स्वीकृत हितग्राहियों को साल श्रीफल व स्वीकृति पत्र, आवास पूर्ण कर चुके हितग्राहियों को खुशियों की चाबी सहित उपहार, ग्राम पंचायतें जिन्होंने वित्तीय वर्ष 2016-23 तक के समस्त स्वीकृत आवासों को पूर्ण कर लिए है उनके सचिव,सरपंच व रोजगार सहायक को सम्मान, तकनीकी अमले जिन्होंने अच्छा कार्य किया है उनको सम्मानित करने का कार्य सहित महिला स्वयं सहायता समूह जिसने पीएम के निर्माण हेतु बहुतायत में शटरिंग प्लेट व अन्य सामग्री का क्रय किया, इन्हें भी सम्मानित किया गया।

योजना से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या, शिकायत अथवा सुझाव के लिए जिला स्तर पर हेल्पलाइन नंबर 9244049285 जारी किया गया है। इसमें आप कार्यालयीन समय पर कॉल करके आवास के राशि से लेकर निर्माण में समस्या जैसी बातों को अवगत कराते हुए त्वरित समाधान पा सकते है। आवास मेले में योजना का प्रदर्शनी भी लगाया गया है जिसमें विस्तृत जानकारी प्रदाय की जा रही है तथा आमजन के समस्या या शिकायत का स्थल पर ही समाधान किया जा रहा है। तत्पश्चात् कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा आवास योजना की महत्ता, सभी की आपसी समन्वय से प्रगति लाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में पूर्व गृहमंत्री श्री रामसेवक पैकरा, पूर्व विधायक श्रीमती रजनी त्रिपाठी, श्रीमती परमेशवरी राजवाड़े, श्री भीमसेन अग्रवाल, श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री राजेश महलवाला, श्री शशि तिवारी, श्री अजय गोयल, श्री रामकृपाल साहू, श्री राजाराम पांडे, श्री अजय श्याम, श्री अजय अग्रवाल, श्री कपिल पांडे, श्री राम विलास साहू, श्री थलेशवर साहू, व अन्य जनप्रतिनिधि, सर्व जनपद पंचायत सीईओ व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सड़क पर बैठे बछड़े को कुचलने वाला वाहन चालक गिरफ्तार

कवर्धा(विश्व परिवार)। जिले के सहसपुर लोहारा में पिछले दिनों लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सड़क पर बैठे बछड़े को कुचलने के आरोप में पुलिस ने आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दें कि दिनांक 08 नवंबर को थाना सहसपुर लोहारा क्षेत्र अंतर्गत उडिया कला स्थित राधा रघुराज पेट्रोल पंप के पास वाहन क्रमांक सीजी-13-एएफ 1313 के चालक असीम रजा उर्फअबरार रजा, पिता स्व. अजीज रजा, उम्र 27 वर्ष, निवासी भिंभौरी ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक बछड़े के ऊपर जान-बूझकर वाहन चढ़ाकर उसे कुचल दिया था जिससे बछड़े की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। इस संबंध में थाना सहसपुर लोहारा में आरोपी के खिलाफ धारा 281, 325, बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के दौरान आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4/10, पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(2), एवं मोटर वाहन अधिनियम की धारा 130(1)/177 को भी प्रकरण में जोड़ा गया। मामले में सहसपुर लोहारा की टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी असीम रजा उर्फ अबरार रजा को गिरफ्तार किया और उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया जहां आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

विनोद कुमार सिंघल का आकस्मिक निधन शहर में शोक

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- सूरजपुर जिला के शिवनंदनपुर/ बिश्रामपुर नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी मारूति मोटर के संचालक युवा विनोद कुमार सिंघल(बिट्टू) का आज लंबी बीमारी के पश्चात दुखद निधन हो गया इस खबर से बिश्रामपुर में शोक की लहर है। शहर के लोकप्रिय एवं मृदु भाषा व्यक्तित्व के धनी युवा व्यवसाय विनोद सिंघल का आज बृहस्पतिवार को दोपहर 2 बजे देहावसान हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार कल शुक्रवार को प्रात:बजे रिहंद नदी स्थित मुक्ति धाम में किया जाएगा। विनोद सिंघल स्वर्गीय किशन चन्द सिंघल के सबसे छोटे सुपुत्र, एवं प्रेम चन्द, दीपचंद, पवन कुमार, एवं जगदीश सिंघल के सबसे छोटे भाई थे।

जय श्री राम बोलना छात्रों को पडा महंगा: शिक्षक ने कर दी पिटाई, ग्रामीणों में आक्रोश

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां सरकारी स्कूल में जय श्रीराम कहने या टीका लगाने पर बच्चों को शिक्षक द्वारा प्रताड़ित किया जाता है. शिक्षक ने दो छात्रों की जमकर पिटाई भी कर दी. शिक्षक के इस व्यवहार से ग्रामीणों में आक्रोश है। इस मामले को लेकर अब ग्रामीण प्रदर्शन की तैयारी में है. यह घटना पाली पड़निया गांव की है. शिक्षक राजकुमार ओगरे की हरकतों से परेशान विद्यार्थियों ने पूरे मामले की जानकारी पालकों को दी. इसके बाद आक्रोशित पालक स्कूल पहुंचे और संबंधित शिक्षक को जमकर खरी खोटी सुनाई. इस दौरान शिक्षक पालकों से क्षमा मांगते दिखाई दिए, लेकिन ग्रामीण उन्हें क्षमा करने के मूड में नहीं है. पालकों ने घटना की जानकारी सर्वमंगला चैकी पुलिस और शिक्षा विभाग को दी है. बताया जा रहा है कि संबंधित स्कूलों में तीन गांव के बच्चे पढ़ाई करने आते हैं. अब इन तीनों गांव के लोग एकत्रित होकर सनातन विरोधी शिक्षक की हरकतों का विरोध करने की तैयारी में हैं।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी में मामले में आरोपी भेजा गया जेल

बलौदाबाजार(विश्व परिवार)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी के तहत गुरूवार को थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा बलौदाबाजार नगर निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। बता दें कि भारत सरकार गृह मंत्रालय के एनसीआरबी शाखा नई दिल्ली द्वारा प्रेषित सायबर टीपलाईन के अनुसार जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया पर बच्चों से संबंधित पोर्नोग्राफी विडियो अपलोड करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्यवाही लगातार की जा रही है। ऑनलाइन साइट अथवा माध्यमों से किसी भी प्रकार से बच्चों से संबंधित पोर्नोग्राफी वीडियो/फोटो अपलोड करना कानूनन अपराध है। इस प्रकार के कृत्य में भारत सरकार गृह मंत्रालय केएनसीआरबी शाखा नई दिल्ली द्वारा प्रेषित सायबर टीपलाईन के अनुसार संबंधित आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर कार्यवाही की जाती है।

वेदांता के कलिंगा लान्सर्स तैयार हैं हॉकी इंडिया लीग 2024 में अपना कौशल दिखाने के लिए

कोरबा (विश्व परिवार)। वेदांता कलिंगा लान्सर्स अपने दक्ष खिलाड़ियों और सुनियोजित खेल रणनीति के साथ बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार है, गौर तलब है कि यह प्रतियोगिता सात सालों के विराम के बाद होने जा रही है। पहले इस टीम ने नीलामी के दौरान दबदबा दिखाया और उभरते भारतीय प्रतिभाशाली खिलाड़ियों एवं अंतर्राष्ट्रीय हॉकी सितारों को हासिल किया और अब हॉकी मैचों का शेड्यूल घोषित होने पर यह उनके लिए तैयारी कर रही है। हॉकी इंडिया लीग 2024 का आयोजन 28 दिसम्बर 2024 से लेकर 1 फरवरी 2025 तक होगा। इस लीग में आठ जानदार टीमें एचआईएल चैम्पियनशिप का खिताब जीतने के लिए राउरकेला और रांची के मशहूर स्टेडियमों में मुकाबला करेंगी। कलिंगा लान्सर्स के अभियान की शुरुआत 30 दिसम्बर 2024 को राउरकेला में यूपी रुद्राज के साथ मुकाबले से होगी। इसके बाद तमिलानाडु ड्रैगन्स, श्राची रार बंगाल टाइगर्स और दिल्ली एसजी पाइपर्स जैसे विकट प्रतिद्वंदियों से होने वाले मुकाबले टीम के सफर को चुनौतीपूर्ण किंतु संभावनाओं से भरपूर बनाएंगे। इस टीम में कृष्ण बी पाठक, ऐरन जालेवस्की व अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ रोशन कुजुर और मुकेश टोप्पो जैसे उभरते हुए प्रतिभावान खिलाड़ी भी शामिल हैं। ये सभी एकजुट होकर पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार प्रदर्शन करेंगे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका दिवस के अवसर पर कार्यकर्ताओं को किया गया सम्मानित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- छ.ग.शासन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रति वर्ष 14 नवम्बर को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के सम्मान के लिए दिवस मनाये जाने का निर्णय लिया गया है। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभा कक्ष सूरजपुर में खाद्य मंत्री छ.ग.शासन श्री दयालदास बघेल के मुख्य अतिथ्य में किया गया जिसमें जिला सूरजपुर अंतर्गत 7 परियोजनाओं के 1-1 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यकर्ताओं के द्वारा पोषण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, विभागीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के साथ-साथ अन्य विभागों से समन्वय, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, श्रम, गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, आयुष्मान कार्ड बनाना एवं जनगणना (जन्म/मृत्यु) आदि कार्यों में उल्लेखनीय कार्य हेतु सम्मानित किया गया। इसी प्रकार सहायिकाओं को विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ चिकित्सा विभाग, एन.आर.सी. में भर्ती आदि कार्यों में विशेष योगदान

हेतु सम्मानित किया गया। सम्मान के अनुक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में परियोजना सिलफिली के अनुजनगर आमापारा की श्रीमती सावित्री देवी राजवाड़े, सूरजपुर जमदेई बैगापारा से श्रीमती रजमनियां, भैयाथान अहिरापारा अनरोखा से श्रीमती नोविन राजवाड़े, ओड़गी घुरीघाट सेमरा से श्रीमती उषा बैश्य, रामानुजनगर देवनगर उपरपारा से श्रीमती रिता बघेल, प्रतापपुर बड़वार से श्रीमती रूकसाना एवं प्रेमनगर जनार्दनपुर से श्रीमती चम्पा सिंह को पुरस्कृत किया गया एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं में परियोजना सिलफिली बिहारपुर मांझापारा 02 से श्रीमती संतोषी अगरिया, सूरजपुर रेल्वे कालोनी कुंजनगर से नाज परवीन, भैयाथान बाधपारा अनरोखा से श्रीमती ममता रवि, ओड़गी दुबियाडिह इंजानी से श्रीमती बिमला, रामानुजनगर देवनगर उरांवपारा से श्रीमती कौशल्या, प्रतापपुर सिंघरा खास से श्रीमती हिरमेन एवं प्रेमनगर अभयपुर खास से श्रीमती सोनी बाई को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, कलेक्टर सूरजपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, वन मण्डलाधिकारी, सहायक पुलिस अधीक्षक, अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग उपस्थित रहें।

जिले में धान खरीदी महापर्व आज से शुरू, खाद्य मंत्री बघेल ने धान उपार्जन केंद्र देवनगर में किया शुभारंभ

कृषक बंधुओं के धान का एक एक दाना खरीदना हमारा लक्ष्यः खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी का शुभारंभ आज से किया गया। जिसके तहत आज सूरजपुर जिले में भी इसकी शुरूआत हुई। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित देव नगर में धान खरीदी महापर्व शुभारंभ पर कृषक बंधुओं की उपस्थिति में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें जिले के प्रभारी व खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल मुख्य अतिथि के रूप शामिल हुए थे। धान खरीदी महापर्व का शुभारंभ विधि विधान से पूजन कर किया गया। केंद्र में किसानों द्वारा लाये गए धान की आर्द्रता का परीक्षण नमी मापक यंत्र में करने के पश्चात भार मापक यंत्र में धान का तोलन कर किसानों के धान की खरीदी की गई। इस अवसर पर अपना धान विक्रय करने आये किसानों के चेहरे पर खुशी की झलक दिखाई दी, इस अवसर पर खाद्य मंत्री ने कृषक बंधुओं का स्वागत उन्हें माला पहनाकर किया। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित देव नगर में 06 किसान बंधु ने टोकन प्राप्त कर कुल 363.20 क्विंटल धान का विक्रय किया। कार्यक्रम में रामानुजनगर के 03 कृषक बंधु श्री सोहर सिंह, श्री जगदीश केवट व श्री हेमचंद प्रजापति के द्वारा अपने अनुभव साझा किया गया जिसमें उन्होंने खरीफवर्ष 2014-15 व 2015-16 में प्राप्त दो वर्ष के धान बोनस का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन ने जो भरोसा उनके मन में कायाम किया है उसे प्रभावित होकर इस बोनस राशि का उपयोग उनके द्वारा अपने कृषि को और उन्नत बनाने को किया ताकि उन्हें जिले के 11 धान उपार्जन केन्द्र में 28 टोकन अब तक किसान बंधुओं द्वारा प्राप्त किये गए है, जिसमें 26 ऑनलाइन व 02 ऑफ्लाइन मोड द्वारा प्राप्त किये गए है। जिले में कुल 54 धान उपार्जन केंद्र है। इसके साथ ही जिले में कुल 64626 पंजीकृत कृषक है और रकबा 85731.78 हेक्टर है।

जिला प्रभारी व खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने धान खरीदी महापर्व में उपस्थित -कृषक बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अन्नदाता हमारे प्रदेश की आत्मा है, उनकी मेहनत को पूरा दाम और सम्मान मिले इसके लिए लिये शासन हमेशा ही तत्पर रही है। छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है, इसे समृद्ध करने के लिए छत्तीसगढ शासन लगातार सकारात्कम फैसले ले रहा है और आगे भी किसान के हित में विभिन्न योजनाओं की शुरूआत की जायेगी। किसानों से उनकी उपज को खरीदने, खरीदी में पूरी पारदर्शिता बरतने और तय समय सीमा में भुगतान पर हमने विशेष ध्यान दिया है। धान खरीदी में कृषक बंधुओं को किसी प्रकार से बाधा न आये इसके लिए उन्होंने मंच में उपस्थित संबंधित प्रशासनिक अमले को शासन की मंशानुरूप तय मानकों पर कार्य करने के लिए निर्देशित किया और धान खरीदी की सतत निगरानी करने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित कृषक ग्रामीण, आमजन व मीडिया के साथियों से अपील की कि धान खरीदी से कोई भी पात्र किसान वंचित न हो इसके लिए सभी अपना सहयोग प्रदान करें।

कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी भी उपस्थित थे। उन्होंने धान खरीदी महापर्व की कृषक बंधुओं को बधाई दी और उपस्थित जनों से संबोधित करते हुए कहा कि ये फसल आपके मेहनत की उपज है। कृषक बंधुओं का उत्थान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है उन्होंने उपस्थित जनों से अपील की कि सभी किसान बंधु धान खरीदी के निर्धारित तिथि के पूर्व ही टोकन प्राप्त कर अपने धान का विक्रय सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने बिचौलियों के धान पर विशेष निगरानी रखने की बात कही ताकि पात्र किसान का हित प्रभावित न हो।

कार्यक्रम में पूर्व गृहमंत्री श्री रामसेवक पैकरा, जनपद उपाध्यक्षक श्री दीपक कुमार, श्री भीमसेन अग्रवाल, श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री राजेश महलवाला, श्री शशि तिवारी, श्री अजय गोयल, श्री अजय अग्रवाल, श्री कपिल पांडे, श्री राम विलास साहू, श्रीमती सीमा सिंह टेकाम, श्री थलेशवर साहू, श्री कौशल सिंह व श्री विजय राजवाड़े व अन्य जनप्रतिनिधि, कृषक बंधु, कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन, एडीसनल एसपी श्री संतोष महतो, संयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल, खाद्य अधिकारी श्री संदीप भगत, उप संचालक कृषि सुश्री संपदा पैकरा व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शुक्रवार 15 नवंबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

भारत की विमान निर्माण के..... क्षेत्र में कदम सबसे बड़ी चुनौती

भारत ने जब विमान निर्माण के क्षेत्र में ऊंची महत्त्वाकांक्षा रखते हुए अब कदम रखा है, तो क्वालिटी और किफायत के पहलू उसके आगे सबसे बड़ी चुनौती हैं। बेशक, टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्पलेक्स में मौजूद प्रबंधक इस चुनौती से वाकिफ होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने गुजरात के वडोदरा में अति-महत्त्वाकांक्षी विमान परियोजना का उद्घाटन किया है। इसके तहत प्रतिस्पर्धी कीमत पर विमान या उसके पाट-पुर्जे बना कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतारना संभव हुआ, तो वह सचमुच एक बड़ी उपलब्धि होगी। %टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स' नाम से निर्मित इस परियोजना के तहत यूरोप की मशहूर विमान निर्माता कंपनी एयरबस और भारत के टाटा ग्रुप ने साझा उद्यम लगाया है। जाहिर है, इसमें तकनीक और विशेषज्ञता एयरबस लगाएगी, जबकि टाटा समूह स्थानीय ढांचे तथा कुशल कर्मियों का योगदान करेगा। बताया गया है कि यहां सी-295 सैन्य यातायात विमानों का उत्पादन होगा। 2021 में एयरबस डिफेंस और स्पैनिश कंपनी %स्पेस एसए' के साथ 56 सी-295 विमानों की सप्लाई के लिए 21,935 करोड़ रुपयों के समझौते पर भारत की ओर से हस्ताक्षर किए गए थे। सूचनाओं के मुताबिक यहां आरंभिक 16 विमान तो स्पेन से मंगवाए जाएंगे, लेकिन उसके बाद 40 विमानों का यहीं पर उत्पादन होगा। विमानों की असेंबली, परीक्षण, डिलीवरी और मेंटेनेंस भी यहीं पर होगी। सांचेज ने एलान किया कि इस परिसर में पहला विमान 2026 में बन कर तैयार होगा। एयरबस यूरोपीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है, जिसका मुख्यालय फ्रांस में है। लेकिन इसमें अनेक यूरोपीय देशों के कारोबारियों का निवेश है। स्पेन उसका एक बड़ा उत्पादन स्थल है, हालांकि उसके पाट-पुर्जे यूरोप के कई देशों में तैयार होते हैँ। अमेरिका की बोइंग और यूरोप की एयरबस- अब तक दुनिया में ये ही दो बड़ी विमान उत्पादक कंपनियां रही हैं। बोइंग के संकटग्रस्त होने के बाद एयरबस ने अपने कारोबार में बड़े उछाल की आस जोड़ी है। हालांकि इस बीच चीन भी विमान निर्माण के बाजार में उतर चुका है। अपने घरेलू बाजार के अलावा इस सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी को कई देशों से ऑर्डर मिल चुके हैँ। जैसा कि आम चलन है, चीनी उत्पाद किफायती पड़ते हैं और इसलिए बाजार में छा जाते हैं। भारत ने जब विमान निर्माण के क्षेत्र में ऊंची महत्त्वाकांक्षा रखते हुए अब कदम रखा है, तो यह पहलू उसके आगे सबसे बड़ी चुनौती है। बेशक, टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्पलेक्स में मौजूद प्रबंधक भी इस चुनौती से वाकिफ होंगे।

पॉवर कंपनी की स्थापना की रजत जयंती (15 नवंबर) पर विशेष लेख ....

बिजली के आगमन से हर घर रोशन होने का एक शताब्दी का सफर

- छत्तीसगढ़ को पॉवर हब बनाने में दूरदर्शी नेतृत्व की भूमिका अहम
- उपेक्षा के दंश को भूल ढाई दशक में ऊर्जा सक्षम बना छत्तीसगढ़

बिजली है तो यह आधुनिक जीवन है। जल और वायु के बाद विद्युत मानों जीवन की अनिवार्यता हो गई है। लेकिन क्या आज की पीढ़ी इस बात को स्वीकार करेगी कि भारत में सिर्फ 150 वर्ष पहले यह विद्युत ऊर्जा शब्दकोष का हिस्सा भी नहीं था और छत्तीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य में यह सिर्फ एक शताब्दी का मामला है। स्वतंत्रता के पश्चात देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए विद्युत ऊर्जा के महत्व को समझा गया और इसे गति प्रदान करने के लिए भारतीय विद्युत आपूर्ति अधिनियम 1948 लागू किया गया। उस दौर में छत्तीसगढ़, सेन्ट्रल प्राविंस तथा बरार प्रांत का हिस्सा था। छत्तीसगढ़ समेत पूरे प्रांत की राजधानी नागपुर थी जहाँ पहली बार 1905 में बिजली के बल्ब की रोशनी को लोगों ने देखा। लेकिन छत्तीसगढ़ को बिजली के लिए लगभग एक दशक का और इंतजार करना पड़ा।

पहली बार आई बिजली

छत्तीसगढ़ में पहली बार बिजली रायपुर और बिलासपुर में नहीं बल्कि अंबिकापुर में आई। यहाँ आज से एक शताब्दी पहले 1915 में लोगों ने बिजली से नगर को रोशन होते देखा। सारंगढ़ में 1924, छुईखदान में 1926, रायपुर और राजनांदगांव में 1928 , जगदलपुर और बैकुंठपुर में 1929, खैरागढ़ में 1930, रायगढ़ में 1931, बिलासपुर में अक्टूबर 1934 और जशपुर में 1941 में बिजली आपूर्ति के प्रमाण हैं। इन्हीं दशकों में बीजापुर, कांकेर समेत कई अन्य स्थानों पर छोटे पॉवर जनरेटरों के जरिए आवश्यक सेवाएं बहाल होती रहीं।

चालीस के दशक में भूमिगत बिजली केबल

रायपुर में कोलकाता की निजी कंपनी को विद्युत उत्पादन और वितरण का लाइसेंस दिया गया बाद में म्यूनिसिपल इलेक्ट्रीकल अंडरटेकिंग रायपुर ने इसे अपने हाथ में ले लिया। रायपुर के भाठागाँव तथा नयापारा में मौजूद पॉवर हाउस, बिजली का उत्पादन करते थे। इसमें सिर्फ 240 किलोवॉट बिजली बनती थी जिससे आवश्यक सेवाओं की बहाली की जाती थी। मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री रविशंकर शुक्ल ने 15 अगस्त 1951 को रायपुर के गुढियारी में चार हजार किलोवॉट के पहले पॉयलट पॉवर स्टेशन (शासकीय पॉवर हाऊस) का लोकार्पण किया था। 1958 में इसकी क्षमता बढ़कर आठ हजार किलोवॉट हो गई थी पर 1965 में इस बिजली घर को बंद कर दिया गया। 1940 के दशक में भी बिजली के अंडरग्रांउड केबल बिछाए गए थे। भाठागाँव से नयापारा तक 6.6 किलोवोल्ट की साढ़े चार मील की लाइन में से 2.56 मील भूमिगत थी। संयुक्त रायपुर जिले का मानिकचौरी पहला गाँव है जहाँ 1956 में लोगों ने बिजली के बल्बों से घरों को रोशन किया।

प्रदेश का विद्युत तीर्थ

छत्तीसगढ़ में विद्युत उत्पादन का पहला बड़ा पड़ाव 25 जून 1957 को आया जब तत्कालीन मुख्यमंत्री कैलाश नाथ काटजू ने कोरबा में एक सौ मेगावॉट क्षमता के कोरबा पूर्व ताप विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए आधारशिला रखी। सच कहें तो इस संयंत्र की स्थापना, कोरबा को विद्युत तीर्थ के रूप में प्रतिस्थापित करने वाला कदम था। आज कोरबा में केन्द्र , राज्य और निजी क्षेत्र की कंपनियाँ हजारों मेगावॉट बिजली का उत्पादन कर रहीं हैं। वर्ष 2000 के आते तक छत्तीसगढ़ में उत्पादन तथा पारेषण की क्षमता तो अच्छी थी पर मध्यप्रदेश के दौर में वितरण की व्यवस्था में कभी प्राथमिकता नहीं मिली। आज की पीढ़ी उस उपेक्षा से अनभिज्ञ है। नई पीढ़ी उस अंधकार की पीड़ा से अनजान भी है। 1992 तक मध्यप्रदेश के 45 में से 17 जिले पूर्ण विद्युतीकृत हो चुके थे इसमें से छत्तीसगढ़ से एक भी जिला शामिल नहीं था। सिर्फ ढाई दशक बीते हैं और यादें बहुत धुंधली नहीं है जब शेष मध्यप्रदेश में रबी फसल को पानी देने के लिए संपूर्ण छत्तीसगढ़ की बिजली घंटों गुल रहा करती थी।

राज्य गठन से बदली तस्वीर

वर्ष 2000 में राज्य गठन के बाद गठित सरकारों ने अपनी ङ्क अपनी दलीय प्रतिबद्धताओं से परे ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश को अग्रणी बनाए रखने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। पहले मुख्यमंत्री अजीत प्रमोद जोगी ने साहसिक निर्णय लेते हुए 15 दिनों के अंदर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल का गठन (15 नवंबर 2000) कर दिया और उन्होंने राज्य के हितों से समझौता नहीं करने का स्पष्ट संदेश दिया। दिसंबर 2003 के बाद डॉ रमन सिंह का नेतृत्व, ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश के लिए मानो स्वर्णिम युग कहा जाएगा। पॉवर सरप्लस स्टेट का दर्जा हासिल करने से लेकर अधोसंरचना का अभूतपूर्व कार्य अपने कार्यकाल में पूर्ण कराया। शासकीय से लेकर निजी भागीदारी से प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता को 20 हजार मेगावॉट तक ले जाने में सफलता पाई। डॉ रमन सिंह के बाद श्री भूपेश बघेल ने ऊर्जा क्षेत्र में चल रही सभी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया।

संवारेंगे साय,बनायेंगे शक्ति समर्थ

अब प्रदेश और ऊर्जा विभाग की बागडोर एक संवेदनशील राजनेता विष्णुदेव साय के हाथों में है। विकसित होते छत्तीसगढ़ की जरूरतों को मुख्यमंत्री श्री साय ने भलिभांति समझा है और दूरगामी निर्णयों की शुरूआत कार्यकाल के प्रारंभिक समय में ही कर दी है। आज प्रदेश का हर घर रोशन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुरूप अब प्रदेश को नवीकरणीय ऊर्जा का भी हब बनाने का लक्ष्य मुख्यमंत्री ने निर्धारित कर दिया है। राज्य की पॉवर कंपनी ने भी इस दिशा में अपने कदम तेजी से बढ़ा दिए हैं। विद्युत ऊर्जा का यह सफर जो छत्तीसगढ़ में एक शताब्दी से कुछ अधिक समय पूर्व शुरू हुआ था वो निरंतर आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ अब पूरे देश के लिए ऊर्जा प्रदेश और पॉवर हब बन चुका है। यह हमें गर्व की अनुभूति के साथ जिम्मेदारी का एहसास कराता है। आइए, हम अतीत के 'अंधकार' से किए गए संघर्षों, त्याग और दूरदर्शी निर्णयों से मिली सफलताओं की 'किरणों' को पहचाने और एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें जिसमें आने वाली पीढ़ी हमें किसी 'ज्योति पुंज' की तरह स्मरण कर सके।

विकास शर्मा
प्रकाशन अधिकारी
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी
रायपुर-9329444278

आलेख

आप-हम सरीखी गाजर-मूलियों की तो बिसात ही क्या!

पंकज शर्मा

इस साल 4 जून के बाद बेतरह लडख़ड़ा गई नरेंद्र भाई की देहभाषा को 8 अक्टूबर को थोड़ा सहारा मिल गया था। मगर अब अमेरिका में ट्रंप की जीत के बाद वे फिर एकदम अपने पूरे शबाब पर आ गए हैं। उन से भी ज़्यादा फूले-फूले वे हिंदुत्ववादी घूम रहे हैं, जिन्हें लग रहा है कि अब तो सैंया संसार के कोतवाल हो गए है तो डर काहे का? अब महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव में वे अपने पुराने से भी ज़्यादा मारक-घातक अंदाज़ में अवतरित हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुब्रह्मण्यन स्वामी भले ही दावा कर रहे हैं कि जब हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने डॉनल्ड ट्रंप की जीत के बाद पुलकित हो कर उन्हें बधाई देने को फ़ोन किया तो ट्रंप से उन की बात नहीं हो पाई। फ़ोन उठाने वाले ने कह दिया कि वे नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को बता देंगे कि मुबारक़बाद देने के लिए आप का फ़ोन आया था। स्वामी का यह भी कहना है कि ट्रंप को मिले बधाई संदेशों के बारे में उन के दफ़्तर की तरफ़ से जारी सूची में भारत के प्रधानमंत्री का नाम नहीं है। लेकिन मुझे स्वामी का यह दावा सही कम, उन के बड़बोले व्यक्तित्व का हिस्सा ज़्यादा लगता है। इसलिए मैं स्वामी के बजाय नरेंद्र भाई की, 6 नवंबर की रात 10 बज कर 28 मिनट पर, देशवासियों को बताई इस बात पर अटूट विश्वास कर रहा हूं कि मेरी अपने दोस्त राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से बहुत ही अच्छी बातचीत हुई। मैं ने उन्हें उन की शानदार जीत पर बधाई दी और कहा कि मैं आप के साथ एक बार फिर तकनालॉजी, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और बहुत-से अन्य क्षेत्रों में भारत-अमेरिकी संबंधों को सुदृढ़ बनाने के लिए हिल-मिल कर काम करने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। मैं यह मान ही नहीं सकता कि अपने जिस दोस्त के लिए जुलाई 2020 में नरेंद्र भाई अब की बार, ट्रंप सरकार' का नारा लगाने अमेरिका गए थे, वह नरेंद्र भाई का फ़ोन जाए और उन से बात न करे। ट्रंप कितने ही उद्दंड हों, वे इतने अशिष्ट हो ही नहीं सकते ङ्क ख़ासकर नरेंद्र मोदी के साथ। इस साल 4 जून के बाद बेतरह लडख़ड़ा गई नरेंद्र भाई की देहभाषा को 8 अक्टूबर को थोड़ा सहारा मिल गया था। मगर अब अमेरिका में ट्रंप की जीत के बाद वे फिर एकदम अपने पूरे शबाब पर आ गए हैं। उन से भी ज़्यादा फूले-फूले वे हिंदुत्ववादी घूम रहे हैं, जिन्हें लग रहा है कि अब तो सैंया संसार के कोतवाल हो गए है तो डर काहे का? हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों के प्रचार में नरेंद्र भाई मेहंदी लगे पैरों से फूंक-फूंक कर डग भरते दिखाई दे रहे थे। मगर अब महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव में वे अपने पुराने से भी ज़्यादा मारक-घातक अंदाज़ में अवतरित हो गए हैं। मैं ने महाराष्ट्र की कुछ चुनावी-सभाओं में उन्हें बोलते सुना। वे शब्दों की ऐसी लाठी भांज रहे हैं, जो तथ्यों को भले ही सरेआम ठेंगा दिखा रही हो, मगर हवा में जिस की सांय-सांय काफी तेज़ सुनाई दे रही है। नरेंद्र भाई को मालूम है कि महाराष्ट्र के आदिवासी उन के साथ नहीं हैं। राज्य में आदिवासियों के लिए आरक्षित चारों लोकसभा सीटें 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने जीती थीं। लेकिन 2024 में उन में से एक ही भाजपा जीत पाई। इसलिए अपनी चुनावी सभाओं में वे ज़ोरशोर से बता रहे हैं कि आदिवासियों के लिए केंद्र की सरकार ने कितने काम किए हैं। मगर इस के फ़ौरन बाद नरेंद्र भाई अपने पसंदीदा विषय पर छलांग लगा देते हैं और राष्ट्रपति के चुनाव में आदिवासी प्रत्याशी द्रोपदी मुर्मू को हराने के लिए कांग्रेस की भूमिका का अनाप-शनाप जिक्र करने लगते हैं। वे कहते हैं कि कांग्रेस ने आदिवासियों के लिए कभी कुछ नहीं किया और कांग्रेस तो आदिवासियों को आगे बढ़ते देख ही नहीं सकती। अब जिन्हें यह मानना हो, मान लें कि भारत में आदिवासी कल्याण के सभी कार्यक्रम मई-2014 के बाद ही शुरू हुए हैं। नरेंद्र भाई को यह भी मालूम है कि दलित वोट देश भर में भाजपा से खिसक रहा है। इसलिए अपनी ताज़ा जनसभाओं में वे दूसरा काम कर रहे हैं लोगों के दिमाग़ों में यह बात बैठाने का कि जवाहरलाल नेहरू ने बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर को चुनाव हराने के लिए पूरी ताक़त लगा दी थी। वे कहते हैं कि नेहरू तो दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों को आरक्षण नहीं देने पर अड़े हुए थे। बाबा साहब ने बड़ी मुष्किल से आरक्षण दिलाया। जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनीं तो उन्होंने भी आरक्षण के खिलाफ यही रवैया जारी रखा। अब इतिहास भले ही इन सारी बातों की उलट-ग़वाही देता हो, चुनाव हैं तो नरेंद्र भाई की तोड़-मरोड़ को कोई क्या खा कर रोक सकता है?

हम सबका आधार जनजातीय समाज

विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

देश के क्रांतिकारी जनजातीय नायक धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा जी की 150 वीं जयंती को प्रदेश और केन्द्र सरकार ने ''जनजातीय गौरव दिवस'' के रूप में मनाने की शुरूआत की है तथा जनजातीय संस्कृति, परंपरा और अधिकारों का संरक्षण करने का संदेश दिया है। 14-15 नवंबर 2024 को आयोजित कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़, अपने जनजातीय गौरव शहीद वीर नारायण सिंह, गुण्डाधूर, शहीद डेबरीधुर, शहीद धुर्वाराव माड़िया, शहीद हिड़मा मांझी और शहीद गेंदसिंह जैसे अनेक नायकों के योगदान और बलिदान को याद कर रहा है। इन जननायकों ने आजादी के लिए ब्रिटिश हुकुमत के खिलाफ संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर करते हुए जल, जंगल, जमीन तथा जनजातीय- अस्मिता की रक्षा की। युवा पीढ़ी इनसे सदैव प्रेरणा लेती रहेगी। भारतीय संस्कृति पांच हजार सालों से अधिक समय से प्रवाहमान है जो आरण्यक, ग्राम्य, नगरीय जीवन-शैलियों को एक सूत्र में पिरोती रही है। जनजातीय समाज का अपना गौरवशाली इतिहास रहा है। उनकी समृद्ध परंपराएं रही हैं। वे गहरी आध्यात्मिक चेतना के वाहक रहे हैं। शुक्ल यजुर्वेद में कहा गया है: नमो वन्याय च कक्ष्याय च नमः-अर्थात उन एक को नमस्कार है, जो वनों में वनों और झाड़ियों के रूप में हैं। हम सब कभी न कभी वन्य समाज का ही हिस्सा थे। हम सबका आधार जनजातीय समाज ही रहा है। भारत के गौरवशाली इतिहास में आदिवासी समाज का अग्रणी योगदान रहा है। अंग्रेजी राज में भी अंग्रेजों को सबसे ज्यादा चुनौती वन क्षेत्रों से ही मिली। जनजातीय नेता तिलका मांझी जी ने अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष करते हुए सन् 1785 में बलिदान दिया। तिलका मांझी जी ने राजमहल, झारखंड की पहाड़ियों पर ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लिया था। स्वतंत्रता के 78 सालों में देश ने जो विकास किया है, उसमें जनजातीय समुदायों के योगदान का सबसे पहले स्मरण करने और उन्हें प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इसकी सर्वश्रेष्ठ पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मु को देश का राष्ट्रपति बनाकर की है। श्रीमती मुर्मु हाल ही में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के प्रवास पर थी। इस दौरान युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विकसित होगा तो भारत भी विकसित होगा। स्पष्ट है कि विकसित छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज का योगदान अविस्मरणीय है। सबको विदित ही है कि छत्तीसगढ़ में गोंड, अबुझमाड़िया, मुरिया, हलबा, धुर्वा, उरांव, कोल, कोरवा, कमार, बैगा सहित अनेक जनजातियां निवास करती हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने जनजातियों के कल्याण के लिए गरीबी उन्मूलन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, भूमि सुधार, संस्कृति के संरक्षण, महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कई अभिनव कल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ की हैं। इनका लाभ उठाकर जनजातीय समुदाय उत्तरोउत्तर विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत जनजातीय समुदायों को कई सुविधाएं दी जा रही हैं, इनमें पक्के घर, पक्की सड़क, नल से पानी, आंगनबाड़ी केंद्र, मोबाइल मेडिकल यूनिट, वनधन केंद्र, इंटरनेट और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं शामिल हैं। जनजातीय समुदाय के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। बस्तर के जनजातीय समुदाय सालों से माओवादी हिंसा का दर्द झेल रहे हैं। गुजरे माह जब नक्सल पीड़ित आदिवासी नई दिल्ली में पहली बार राष्ट्रपति से मिले तो पूरे देश ने इस पीड़ा को महसूस किया। इनके बच्चों के लिए हमारी सरकार द्वारा 15 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। सुखद दृश्य यह भी है कि जो युवा नक्सली बंदूक थाम रहे थे, अब वे डॉक्टर, इंजीनियर, आईआईटीयन बनकर देश की सेवा में लगे हैं। हमारी सरकार ने भी एक नया नारा देते हुए नक्सलियों को चेता दिया है कि गोली का जवाब गोली: बोली का जवाब बोली। जनजातीय क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद को रोकने के लिए सरकार ने सुरक्षा और विकास को मूल मंत्र बनाया तथा नियद नेल्ला नार जैसी योजना शुरू की है। एक साल के अंदर इसके उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। हमारी सरकार आदिवासी मातृशक्ति के कल्याण को तत्पर है। महतारी वंदन योजना के तहत जनजातीय समुदाय की महिलाओं को एक हजार रूपये प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जा रही है। जनजातियों को वन अधिकार पत्र, बकरी पालन, मुर्गी पालन, सुकर पालन और गाय पालन के लिए शासकीय योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। एक नयी पहल के तहत जनजातीय बहुल इलाकों में जिमीकंद, हल्दी, तिखुर जैसी फसलों के उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जनजातीय समुदायों के लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। आदिवासियों को राज्य और केन्द्र शासन द्वारा संचालित लगभग 52 योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। हमारे जनजातीय क्षेत्रों के युवा अब अखिल भारतीय परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर अन्य क्षेत्र के युवाओं के लिये भी प्रेरणा का स्त्रोत बन रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी की सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण जिन उद्देश्यों के लिए किया था, उसकी बड़ी सार्थकता देखिए कि आज यहां के जनजातीय समाज को मुख्यमंत्री पद का दायित्व मिला है। आज बड़ी संख्या में जनजातीय समुदाय विकास की मुख्यधारा से जुड़कर और योजनाओं का लाभ उठाकर अपना जीवन बेहतर बना रहे हैं। हमारी सरकार ने विजन 2047 का लक्ष्य सामने रखते हुए राज्य के सभी जनजातीय समुदायों का निरंतर कल्याण करने का संकल्प लिया है। इसी तारतम्य में हमने जनजातीय समुदायों के विकास के लिए गठित विकास प्राधिकरणों में जनप्रतिनिधित्व को और सशक्त किया है। उन्हें और अधिक उत्तरदायी बनाया है। हाल ही में सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के बजट को बढ़ाकर 75 करोड़ कर दिया है, साथ ही मयाली नेचर कैम्प को नया पर्यटन केन्द्र बनाने के लिए 10 करोड़ रूपये स्वीकृत किए हैं। 18 नवम्बर को बस्तर विकास प्राधिकरण की बैठक होनी है, मुझे ऐसा विश्वास है कि इस बैठक में भी बस्तर के चहुंमुखी विकास के लिए प्राधिकरण द्वारा प्रभावी निर्णय लिया जाएगा। आज छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार है। यह सरकार जनजातीय समाज को उसके इतिहास, उसकी विरासत और उसकी संस्कृति के नजरिए से देखने वाली सरकार है। इसी के आधार पर हमने जनजातीय क्षेत्रों के विकास की रणनीति तय की है।

जय जोहार!

वायु प्रदूषण के कारण संकट में बचपन

योगेश कुमार गोयल

डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्वभर में करीब 90 फीसदी बच्चे, जिनकी कुल संख्या लगभग 1.8 अरब है, ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर है। भारत जैसे विकासशील देशों में तो स्थिति और भी खराब है, जहां करीब 98 प्रतिशत बच्चे अत्यधिक प्रदूषित माहौल में रहते है देश के कई इलाकों में इन दिनों वायु प्रदूषण को लेकर स्थिति बहुत विकराल है। दिल्ली और आसपास के कई क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर बनी हुई है, जहां कुछ जगहों पर एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) 400 के पार है, जबकि यह 50 से कम रहना चाहिए। मौसम में ठंड की शुरुआत होते ही यह हर साल की कहानी है। हाल ही में नीदरलैंड के एल्सेवियर जर्नल में प्रकाशित हुए आईआईटी दिल्ली के वायुमंडलीय विज्ञान अध्ययन केंद्र द्वारा किए गए अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि दिल्ली में जून और अक्तूबर में प्रदूषण बाहरी कारकों से होता है, लेकिन सर्दियों में गंभीर प्रदूषण के लिए 72 प्रतिशत प्रदूषकों में स्थानीय कारक शामिल होते हैं। ऐसे में प्रदूषण कम करने के लिए समग्र योजना बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया है। वैसे वायु प्रदूषण अब एक वैश्विक समस्या बन चुका है, जिससे कई प्रकार की खतरनाक बीमारियां जन्म ले रही हैं और लाखों लोग असमय ही काल के ग्रास बन रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ फेडरेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक दशक में वायु प्रदूषण के कारण दिल की बीमारियों से होने वाली मौतों में करीब 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार हवा में छोटे प्रदूषक (अदृश्य कण) हृदय की लय, रक्त के थक्के जमने, धमनियों में प्लाक बनने और रक्तचाप को प्रभावित कर रहे हैं। वायु प्रदूषण का खतरा सबसे ज्यादा छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर बना है क्योंकि वे बहुत संवेदनशील होते हैं और जहरीली हवा की चपेट में जल्दी आते हैं। दरअसल वयस्कों की तुलना में छोटे बच्चे ज्यादा तेज गति से सांस लेते हैं, जिससे उनके शरीर में

प्रदूषण के कण तेजी से तथा ज्यादा मात्रा में चले जाते हैं। इसी कारण वायु प्रदूषण छोटे बच्चों को बहुत जल्दी अपनी चपेट में लेता है और उनमें अस्थमा से लेकर फेफड़ों के संक्रमण तक कई बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण से बच्चों के मस्तिष्क और दूसरे अंगों पर भी प्रभाव पड़ता है। देश की राजधानी दिल्ली हो या देश के अन्य प्रदूषित इलाके, छोटे-छोटे बच्चे वायु प्रदूषण की चपेट में सबसे ज्यादा आ रहे हैं। हवा में बढ़ती नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें और प्रदूषक कण बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालते हैं। प्रदूषित हवा में जो जहरीले 2.5 नैनोपार्टिकल होते हैं, वे छोटे बच्चों के फेफड़ों की गहराई तक पहुंचकर उन्हें बीमार बना रहे हैं। वायु प्रदूषण छोटे बच्चों की श्वसन प्रणाली को बहुत जल्द अपनी चपेट में लेता है, जिससे उनका इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार, बच्चों में प्रदूषित हवा के कारण निमोनिया, फेफड़ों की समस्याएं, कमजोर दिल, ब्रोंकाइटिस, साइनस और अस्थमा जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। प्रदूषित हवा के कारण फेफड़े कमजोर होने से बच्चे अन्य बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। वायु प्रदूषण के कारण समय पूर्व प्रसव या फिर कम वजन वाले बच्चे पैदा होते हैं और ये दोनों ही शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारण हैं। अत्यधिक प्रदूषण में पलने वाले बच्चे अगर बच भी जाते हैं, तब भी उनका बचपन अनेक रोगों से घिरा रहता है। बच्चों पर वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर दुनियाभर में समय-समय पर परेशान करने वाली रिपोर्टें सामने आती रही हैं। किसी नवजात का स्वास्थ्य किसी भी समाज के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन बेहद चिंताजनक स्थिति है कि कई अध्ययनों में बताया जा चुका है कि गर्भ में पल रहे शिशुओं पर भी वायु प्रदूषण का घातक असर पड़ता है। एम्स द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार वायु प्रदूषण गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए बहुत ज्यादा खतरनाक है।

जैन धर्म में अष्टान्हिका महापर्व का विशेष महत्व है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। जैन धर्म में अष्टान्हिका महापर्व का विशेष महत्व है इन दिनों स्वर्गों से देवता नंदीश्वर दीप में जाकर विविध वाद्ययंत्रों के साथ अविराम पूजन करते हैं जैसे कि आप लोग सिद्धचक्र महामंडल विधान के रुप में सामुहिक रुप से बैठकर साजबाज एवं वाद्ययंत्रों के साथ विगत सात दिनों से अविराम प्रभु की आराधना कर रहे हैं। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने विधान के आठवें दिवस विजयनगर चौराहे पर चल रहे श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के आठवे दिवस व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि साधारण पूजा और सामुहिक रुप से की गयी पूजा में बहुत अंतर होता है, जब एक ही स्थान पर अनेक मंडलो की रचना की जाती है, तो उसकी शक्ती संधारण कयी गुना बड़ जाती है, पूर्व की परंपरा में संस्कृत तथा प्राकृत भाषा में विधान की रचना थी मूल भाषा में किये गये विधान की शक्ति का विशेष प्रभाव होता है, उसके प्रवाह से विधान में बैठने बाले श्रावकों के तन मन और जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, इसकी मूल शक्ती को पहचाना तथा शास्वत सिद्धक्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी से संस्कृत भाषा में निवद्ध इस विधान की शुरुआत 2009 में की इसके पश्चात लगातार 2012 तथा 2014 में गुणायतन परिसर श्री सम्मेद शिखर जी में यह विधान लगातार चलता रहा तथा इसकी लोकप्रियता दिन दूनी बढ़ती चली गयी। संस्कृत भाषा में मंत्रों के उच्चारण से श्रद्धालुओं पर इसका विशेष प्रभाव पड़ा जब हमारा विहार राजस्थान की ओर हुआ तो 2015 में जयपुर तथा 2016 में किसनगढ़, 2018 में भिण्डर राजस्थान तथा रतलाम में48 मंडल के साथ यह विधान संपन्न हुआ तथा 2019 में श्री सिद्धक्षेत्र बावनगजा की सिद्धभूमी पर 64 मंडल के साथ यह विधान संपन्न हुआ था, मुनि श्री ने कहा कि 108 मंडलों के साथ यह हमारा पहला मौका है।और इंदौर को यह सौभाग्य मिला है, तो इंदौर बालों ने भी बड़चढ़कर इसमें अपना योगदान दिया। उन्होंने सभी पुण्यार्जकों तथा सभी नौ रत्नों को आशीर्वाद देते हुये कहा कि 15 नवम्वर सुक्रवार का दिन प्रात:8 बजे से 108 मंडल एक सौ आठ रथों पर विराजमान होकर निकलेंगे तो उसकी छटा निराली होगी मुनि श्री ने कहा इतिहास में यह पहला रथोत्सव होगा जिसमें स्वर्ण, रजत तथा काष्ट के रथ शामिल होंगे।यह रथ राजस्थान मध्यप्रदेश तथा उत्तर प्रदेश से आये है। इस अवसर पर मुनि श्री निर्वेग सागर महाराज एवं मुनि श्री संघान सागर महाराज ने मंत्रोच्चारण कर सहयोग प्रदान किया कार्यक्रम का संचालन विधानाचार्य बाल ब्र.अशोक भैया एवं बाल ब्र.अभय भैया ने किया दोपहर दो बजे तक महापूजा संपन्न होंने के पश्चात धूप से हबन किया गया एवं सभी जीवों के प्रति मंगल कामना की गयी।

इस रथावर्तन महोत्सव में देश के भामाशाह अशोक पाटनी एवं श्रीमति शुशीला पाटनी, इस अनुष्ठान के मुख्य पात्र भरत मोदी सहित मुख्य पुण्यार्जक मुकेश पाटौदी सहित सभी नवरत्न परिवार एवं इस विधान में सम्मलित सभी प्रमुख पात्र रथों पर सबार होकर श्री जी के सारथी की भूमिका निभायेंगे। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज संत शिरोमणि विद्यासागरजी महामुनिराज से सन् 1988 में मुनि दीक्षा लेंने बाले परम प्रभावक शिष्य है जो कि जैन दर्शन के साथ साथ प्राकृत, संस्कृत तथा अपभ्रंश भाषा के अधिकारी है, आपका प्रत्येक कार्य प्रमाणिक और युक्तियुक्त होता है। संपूर्ण विश्व में पारस, जिनवाणी, तथा यू टियूव प्रमाणिक ऐप के माध्यय से सभी को स्वस्थ रहने के लिये भावना योग करा रहे है एवंशंकासमाधान के माध्यम से जन जन की समस्याओं का तुरंत समाधान दे रहे है। दिनांक 7 नवम्वर से प्रारंभ हुये इस विधान का समापन 15 नवम्वर को विशाल रथयात्रा के साथ होंने जा रहा है। प्रवक्ता अविनाश जैन एवं मीडिया प्रभारी राहुल जैन ने बताया विजयनगर से प्रात:8 बजे रथयात्रा प्रारंभ होगी जो की एल आई जी चौराहा, पाटनी पुरा चौराहा, भमोरी चौराहा से होते हुये रसोमा चौराहे से वापिस कार्यक्रम स्थल विजयनगर पर 12 बजे तक वापिस आऐगी। **-अविनाश जैन**

दिल्ली में गूंजी भावलिंगी संत श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज की आध्यात्मिक गूंज

दिल्ली (विश्व परिवार)। जोदर्श महाकवि भावनिगी संत रोष्ट्योगी श्रमणाचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज के पादमूल में बैठकर युग की डॉ. कुमार विश्वास ने किया आध्यात्मिक काव्य पाठ। स्वर्णिम विमर्श उत्सव समापन के साथ हो रहीं भगवती जिनदीक्षा महा महोत्सव में आज 14 नवम्बर, गुरुवार को दोपहर की मध्य बेला में अद्भुत अन्नूठा संगम देखने को प्राप्त हुआ। जहाँ आदर्श महाकवि भावलिंगी संत आचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज अपने विशाल चतुर्विध संघ के साथ विराजमान थे। गुरुदेव के ही समीपस्थ आचार्य विनीत सागर जी एवं आर्यिका विदक्षा श्री मालाजी अपने संघ के साथ उपस्थित थे, वहीं युग कवि डॉ. कुमार विश्वास भी अपने कवि साथियों के साथ समुपस्थित रहे। आदर्श महाकवि आचार्य गुरुदेव के श्री पावन चरणों में युग कवि के साथ-साथ डॉ. सरिता शर्मा, सुधीरभोता, बुद्धि दधीचि एवं पीयूष मालवीय आदि कवियों ने अपनी कविताओं को समर्पित कर अपनी कविताओं एवं लेखनी की तीर्थयात्रा कराई। (आचार्य श्री ने अपनी मौलिक रचनाओं की सुवृहद्ध वरंखला में कहा- धन भोग में मदहोश हो रहा है आदमी। जाने क्यों अपना होश खो रहा है आदमी ॥ दो पल को भी सुकून नहीं कोल्हू का बैल है।

लगता है जिंदगी को ढो रहा है आदमी : डॉ. कुमार विश्वास आचार्य गुरुदेव के चरणों में हुए नत-मस्तक (आदर्श महाकवि भाव लिंगी इयंत आचार्य श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज की अद्भुत आश्चर्यकारी अभूतपूर्व मौलिक रचनाओं को सुनकर डॉ. कुमार विश्वास के साथ हजारों की सुविशाल संख्या में समुपस्थित भक्त समुदाय नतमस्तक हो गया। हर कण्ठ से मात्र आचार्य श्री एवं उनकी रचनाओं की ही प्रशंसा की जा रही थी। सध्या बैला में चातुमति स्थल कृष्णानगर से जिनतीर्थ मण्डपम् CBD ग्राउण्ड तक सभी दीक्षार्थियों की महाविनौली यात्रा राजधानी के मुख्य मार्गों से होते हुए अन्तिम विनौली यात्रा के रूप में निकाली गयी। जिनतीर्थ महाविनौली यात्रा की सम्पूर्णता पर जिनतीथ मण्डपम् में विशाल जनसमुदाय के मध्य वृहद स्तर पर आचार्य गुरुदेव विमर्श सागर जी महामुनिराज के जीवन से संबंधित आकाशीय चलचित्र 500 ड्रोन शो के द्वारा दिखाया गया। **-विशु दीदी**

धन्य है ये दिगंबर मुद्रा जो कोई भी मौसम हो, कोई भी परिस्थिति हो, अपने चर्या में लिन रहते है : मुनीश्री सर्वार्थ सागर जी महाराज

नांदणी (विश्व परिवार)। जयदु जिणिंदो महावीरों। चर्या शिरोमणी आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य श्रमण मुनी श्री अनुत्तर सागर जी महाराज, श्रमण मुनी श्री प्रणेय सागर जी, श्रमण मुनी श्री प्रणव सागर जी, श्रमण मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी, श्रमण मुनी श्री संकल्प सागर जी और श्रमण मुनी श्री सदभाव सागर जी महाराज जी का उपसंघ मालगाव (महाराष्ट्र) में विराजमान हैं। चर्याशिरोमणी आचार्य भगवन विशुद्धसागरजी महाराज जी के शिष्य विचित्र बाते प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी महाराज जी ने मालगांव (महाराष्ट्र) में अपने प्रवचन में कहा की, जब तक बच्चा दुध नहीं पी लेगा तब तक उसे सुख शांती नहीं मिलती। भौरा जब तक फूलो का सुगंध पान नहीं कर लेता तब तक उसको सुख शांती नहीं मिलती। साधु पुरुष जब तक आत्मरस का पान नहीं कर लेते तब तक उनको सुख शांती नहीं मिलती। धरमात्मा पुरुष जब तक देव पूजा, गुरू पूजा नहीं कर लेते तब तक उनको सुख शांती नहीं मिलती। उसी प्रकार जब तक गुणी पुरुष गुण को ग्रहण न करले तब तक उसको सुख शांती नहीं मिलती। संत ना देखा ऐसा ग्रंथ ना देखा- भीषण गर्मी में आप और हम अपने घरोसें बाहर नहीं निकलना चाहते हैं, वही धन्य है ये दिगंबर मुद्रा जो कोई भी मौसम हो, कोई भी परिस्थिती हो, अपने चर्या में लिन रहते है। दिगम्बर मुनी बनना आसन काम नहीं है द्य नमोस्तु शासन जयवंत हो। **-अभिषेक अशोक पाटील**

श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में अष्टाह्निका महापर्व पर की गई श्री शांतिनाथ भगवान का अभिषेक, शांति धारा

अष्टाह्निका पर्व में साधना से पापों से मुक्ति मिलती है आठ दिन तक करेंगे ध्यान, योग और स्वाध्याय : श्रेयश जैन (बालू)

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) मालवीय रोड में आज दिनाँक 14/11/2024 कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी, चतुर्दशी, निर्वाण संवत् 2551 दिन = वृहस्पतिवार के दिन जिनालय की पार्श्वनाथ भगवान की बेदी के समक्ष आध्यात्मिक प्रयोगशाला के माध्यम से प्रतिदिन नित्य नियम से चल रहे अभिषेक, शांतिधारा, पूजन धार्मिक शिविर में अष्टाह्निका पर्व के अवसर पर सुबह 8 बजे शांति भगवान का अभिषेक किया गया। उपस्थित धर्म प्रेमी बंधुओ ने सर्वप्रथम मंगलाष्टक पढ़ कर भगवान को पाण्डुक क्षीला में विराजमान किया प्रासुक जल को जलशुद्धि मंत्र से शुद्ध किया सभी ने रजत कलशों से भगवान का अभिषेक, एवं रिद्धि सिद्धि सुख शांति प्रदाता शांति धारा की। आज की रिद्धि सिद्धि सुख शांति प्रदाता शांति धारा करने का सौभाग्य आदेश जैन समता कॉलोनी परिवार को प्राप्त हुआ। शांति धारा का शुद्ध वचन अर्पित जैन चूड़ी वाले परिवार द्वारा किया गया।शांति धारा करने के बाद श्रीजी की मंगलमय आरती भी की गई। तत्पश्चात सभी ने अष्ट द्रव्यों से निर्मित अर्घ्य समर्पित कर देव शास्त्र गुरु पूजन एवं नंदीश्वर दीप पूजन करके विसर्जन किया। आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से रवि जैन कुम्हारी, मनोज जैन चूड़ी वाला परिवार, प्रणीत जैन, आदेश जैन बंटी, प्रणीत जैन, किशोर जैन, अर्पित जैन, कृष जैन के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

श्रेयश जैन बालू ने बताया कि अष्टाह्निका का शाब्दिक अर्थ होता है आठ दिनों का त्योहार। जैन साधक इन 8 दिनों में उपवास, प्रतिक्रमण, पूजन और ध्यान करते हैं। यह पर्व साधना के माध्यम से पापों से मुक्ति पाने और आत्मा की शुद्धि करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। अष्टाह्निका पर्व हर साल कार्तिक, फाल्गुन, और आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तक बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व विशेष रूप से जैन धर्म में अत्यधिक महत्व रखता है और इसका उद्देश्य श्रद्धा और भक्ति के साथ आत्म-शुद्धि करना होता है। अष्टाह्निका पर्व जैन धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है, जो विशेष रूप से श्रद्धा, भक्ति और आत्मनिर्भरता के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान, मनुष्य अपनी शक्ति की लघुता को ध्यान में रखते हुए और अपने आत्मसुधार की भावना से नन्दीश्वर द्वीप, वहाँ स्थित जिनमन्दिरों और जिनविम्बों की कल्पना करके पूजा करता है। हालांकि नन्दीश्वर द्वीप तक पहुंचना असंभव है, लेकिन श्रद्धालु इन दिव्य स्थलों की मानसिक पूजा करते हैं।

इस पर्व के दौरान श्रद्धालु विशेष रूप से व्रत, नियम और संयम का पालन करते हैं। उनकी यह भावना होती है कि इन दिनों उनके द्वारा किए गए कर्मों और साधनाओं से अत्यधिक पुण्य प्राप्त होता है। इन दिनों लोग सिद्धचक्र का पाठ भी करते हैं, जो आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण होता है। व्रत, संयम और एकाशन (एक समय का भोजन) आदि का पालन करते हुए, भक्त आत्मा का चिन्तन और साधना करते हैं। यह पर्व उनकी आत्मा की शुद्धि और धर्म के प्रति श्रद्धा को बढ़ाता है। **-प्रणीत जैन**

सिद्धचक्र विधान में भक्ति करने पहुंचे विधायक इंद्र कुमार

नयापारा राजिम (विश्व परिवार)। सिद्धचक्र महामंडल विधान बड़े ही उत्साह पूर्ण संपन्न हो रहे हैं। आज छठवें दिन विधान में श्रीपाल मैना सुंदरी बनकर भगवान महावीर स्वामी की विशेष पूजा करने का सौभाग्य सनत कुमार इंद्र बने किशोर अनीता सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ परिवार के अमित शिल्पी सिंघई ने 256 अर्घ की पूरनाहुती कर विधान संपन्न कराया। शांति धारा करने का सौभाग्य प्रभात जैन रवि जैन निशांत जैन नितिन भैया जी अनीता जैन परिवार को प्राप्त हुआ।

आज विधान में महा आरती किशोर अनीता सिंघई के यहां से गाजी बजे के साथ प्रारंभ हुई। आरती में आज के आयोजन मुख्य पात्र बने श्रीपाल मैंनासुंदरी अमित शिल्पी सिंघई अग्रिम सिंघई ने आरती सजाकर शोभा यात्रा निकाली। मुख्य पात्र बने कुबेर इंद्र सूरीत कुमार ममता जैन परिवार की भी आज की आरती में सहाभगीता रही। श्री जी की आरती में लोग मंदिर जी से जैन भवन बड़े उत्साह पूर्वक जुलूस के रूप में गाजे बाजे के साथ पहुंचे वहां पहुंचकर भगवान महावीर स्वामी की आरती बड़ेभक्ति भावपूर्वक संपन्न की। आज की महा आरती में सभी इंद्र के साथ भगवान की भक्ति करने के लिए क्षेत्रीय विधायक इंद्र कुमार जी भी पहुंचे उन्होंने भगवान की भक्ति आराधना बड़े ही भावपूर्ण से की।सभी इंद्र बने पात्र इंद्र कुमार को अपने बीच पाकर अति उत्साहित नजर आए विधायक महोदय का स्वागत सम्मान अध्यक्ष किशोर सिंघई सुरीत कुमार जैन चातुर्मास कमेटी के श्री अजीत चौधरी अंबर सिंघई रविंद्र सिंघई अनुभव जैन संजय पाटनी अशोक गंगवाल रमेश पहाड़िया सौरभ सिंटू जैन द्वारा किया गया। आरती भक्ति के पश्चात 48 दीपों से भक्तांबर जी का पाठ किया गया इसके पुन्यारजक अंबर सिंघई परिवार रहे भक्तांबर के पाठ के बाद नितिन भैया जी के प्रवचनों का लाभ सामाजिक लोगों ने लिया भैया जी ने अपने प्रवचन में सिद्ध चक्कर महामंडल विधान की महिमा के बारे में बताया कि किस प्रकार मैना सुंदरी ने सिद्ध चक्र महामंडल विधान की आराधना कर श्री जी के गंदोधक से अपने पति श्रीपाल सहित 700 लोगों का रोग ठीक किया। **-किशोर सिंघई**

सिद्धचक्र महामंडल विधान के सातवें दिन 1024 अर्घ किये समर्पित

आर्यिका सृष्टिभूषण माताजी ने कहा- आतम का सच्चा सुख भगवान की भक्ति में है

विश्वशांति महायज्ञ हवन एवं विमानोत्सव कार्यक्रम आज : विशाल जैन

इतिहास में पहली बार भोंयरे में भी हो रहा सिद्धचक्र महामंडल विधान

ललितपुर (विश्व परिवार)। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र पावागिरि की पावन धरा पर अष्टाह्निका महापर्व में आचार्य सुमति सागर महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका गणिनी सृष्टिभूषण माता जी, विश्वयश मति माता जी एवं क्षुल्लिका आसमति माता के मंगलमय सानिध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र. अभिषेक भैया पवई के निर्देशन में सिद्धचक्र महामंडल विधान में निरंतर धर्म प्रभावना हो रही है। चतुर्दशी को सातवें दिन मंजीत एन्ड पार्टी भोपाल के मधुर संगीत में भक्ति भाव के साथ सिद्धों की आराधना कर 1024 अर्घ समर्पित किये। इस मौके पर धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आर्यिका गणिनी सृष्टिभूषण माता ने धर्म का मर्म समझाते हुए कहा आतम का सच्चा सुख भगवान की भक्ति में है, हमें कभी भी भगवान का आश्रय नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा अष्टाह्निका महापर्व में सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन एवं नंदीश्वर द्वीप की भक्ति असीम पुण्य का कारण है। रात्रि में मंगल महाआरती एवं शास्त्र प्रवचन का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष विशाल जैन पवा ने बताया की शुक्रवार को विश्वशांति महायज्ञ हवन एवं विमानोत्सव कार्यक्रम के साथ सिद्ध चक्र महामंडल विधान का समापन होगा। वहीं इतिहास में पहली बार भोंयरे में 12 नवंबर से बा.ब्र. पारस भैया प्रशम के निर्देशन में सिद्धचक्र महामंडल विधान का शुभारम्भ किया गया। आर्यिका संघ त्यागीवृत्ति एवं ब्रह्मचारिणी बहिनों के तत्वाधान में अतिशय युक्त चमत्कारी बाबा मूलनायक पारसनाथ स्वामी का मस्तिकभिषेक एवं दोपहर में चौंसठ रिद्धि विधान का आयोजन किया। कार्यक्रम में डॉ. महेंद्र जैन विदिशा, जयकुमार, दर्शना अजित कुमार, ऋचा अभिषेक जैन, ऋषभ कुमार, गौरव जैन, अनुराग, अर्चिता जैन विरधा, मनीष कड़ेसरा एवं क्षेत्र प्रबंध कार्यकारिणी समिति एवं सकल दिगम्बर जैन समाज का सक्रिय सहयोग रहा। संचालन क्षेत्र अध्यक्ष ज्ञानचंद्र जैन एवं आभार व्यक्त महामंत्री जयकुमार जैन ने किया। **-विशाल जैन**

मुनिश्री निर्ग्रंथ सागर जी महाराज का आज तीसरा मुनी दीक्षा दिवस मनाया गया

नांदणी (विश्व परिवार)। आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी के शिष्य मुनिश्री निर्ग्रंथ सागर महाराज जी का आज तिसरा मुनी दिक्षा दिवस मनाया गया। श्रवणबेलगोल की ओर आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज संघ के कदम बढ़ रहे हैं। आज हुवीन हडगली (कर्नाटक) में चर्या शिरोमणी, आध्यात्मयोगी आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज संघ विराजमान हैं। चर्या शिरोमणी आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज संसघ मंगल विहार नांदणी से श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) के लिए चल रहा है। श्रमण संस्कृती के प्रमुख आचार्यो में से एक चर्या शिरोमणी आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी के शिष्य मुनिश्री निर्ग्रंथ सागर जी ने कहा कि हमें प्रभु के जैसा पुरुषार्थ प्रारंभ करना है, देह में नहीं विदेह में विराजमान होना है। मोक्ष की प्राप्ति निज आत्म प्रदेशों से होती है, कोई प्रदेश अथवा कोई भी क्षेत्र मोक्ष नहीं दिलाता।

अष्टानिका महापर्व : अपने सुखों में आनन्द मनाना और दूसरे के सुखो में रोना पाप है : मुनि श्री शाश्वत सागर जी महाराज

कोटा (विश्व परिवार)। अष्टानिका महापर्व व श्री इन्द्रध्वज महामण्डल विधान के सातवें दिन नसिया जी जैन मंदिर दादाबाड़ी कोटा में पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के शिष्य चतुर्थ कालीन चर्या धारक मुनि श्री 108 शाश्वत सागर जी महाराज ने प्रवचन में कहा कि जीवन एक यात्रा है जीव को अन्त समय में ही पुण्य करने की याद आती है मनुष्य चाहे तो सुख-दुखो से उपर उठ सकता है सुख जितने भी है वो दुख ही है वास्तव में सुख अपने पास ही है हम सुख को दुसरे पदार्थों में खोजते हैं सभी बड़े आदमी तो बनना चाहता है पर भला कोई नहीं बनना चाहता है अपने दुख में रोना पाप है दुसरे के दुख में रोना पुण्य है इसी प्रकार अपने सुखों में आनन्द मनाना पाप है दुसरे के सुखो में रोना पाप है।

संसारी जीव पूरा जीवन दुसरो के लिए जीता है स्वंय के लिए जीए तो कल्याण हो जाए मोह के कारण आत्मा में रुचि नहीं जग रही है पाप का फल नरक है पाप करोगे तो नर्क में जाना ही पड़ेगा रोटी कपडा मकान जीवन की आवश्यकता है परन्तु इसके अतिरिक्त जो भी संसार के अन्य साधन इकट्ठे कर रखे है वो पाप के ही कारण है फालतू में बिजली पंखा चलाना ये सब अनर्थ दण्ड में आएगा इसका पाप लगेगा जितना परिग्रह कम होगा उतना मन हल्का रहेगा वर्तमान में जीवन लोन पर चल रहा है जबकि सबसे बडा दुख कर्ज है कर्ज नहीं चुकने पर आदमी चिंता में व्यथीत होता रहता है संसारिक वस्तुओं से कभी सुख मिलने वाला नहीं संसार दुखों से भरा पड़ा है जन्म से ही दुख है सभी जीव रोते हुए ही आते है जीवन सुधारो समाधिमरण के नियम लेवो प्रतिदिन छ: आवश्यक पालना अनिवार्य है आत्म कल्याण करो इसमें ही जीवन का कल्याण है और इसमें ही सुख है। अध्यक्ष जम्बू जैन सर्राफ ने बताया कि कि इस अवसर पर शान्तिधारा व भक्तामर विधान महावीर सिद्धार्थ मित्तल परिवार राजेन्द्र हुकम काका परिवार, विवेक जी ठोरा परिवार द्वारा की गई निदेशक हुकम जैन काका ने बताया कि 108 इन्द्र-इंद्राणियों के द्वारा श्री इंद्रध्वज महामंडल, विधान में मानुषोत्तर मेरु स्थित पर्वत पूर्वदिक् स्थित जिनालय संबंधी 4 जिनालय की पूजा के माध्यम से नंदीश्वर द्वीप की चारों दिशाओं 13, 13 के हिसाब से 13 गुण 4 = कुल बावन जिनालय 52 द्वीप के माध्यम से इंद्र परिवारों द्वारा 56 आकर्षक ध्वजाये जिन चैत्यालयों पर चढ़ाई गई। संयोजक धर्मचन्द धनोप्या ने बताया सायं आचार्य भक्ति, जिज्ञासा समाधान,. महाराज श्री की आरती, श्री इंद्रध्वज महामंडल, विधान की सामूहिक, भक्तामर पाठ एवं भक्तामर महाआरती संगीत मय करवाई गई। प्रशासनिक मंत्री अर्चना जैन (रानी) सर्राफ के द्वारा विवेक लगाओ ज्ञान बढ़ाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया पुण्योदय क्षेत्र में ज्ञान की गंगा बह रही है एवम पुरस्कार वितरण चन्दन बाला बाबरिया द्वारा किया गया। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया**

जैन समाज ने गुना से ललितपुर को फोरलाइन से जोड़ने की मांग केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से की

राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोक हटते ही योजना को आगे बढ़ाया जायेगा : सिंधिया

जैन समाज के प्रतिनिधित्व ने सिंधिया जी से दिल्ली में भेंट की

अशोक नगर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय मंत्री श्री मंत ज्योतिरादित्य सिंधिया से दिल्ली स्थित उनके निवास पर अशोक नगर जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारिल्य थूवोनजी कमेटी के मंत्री शैलेन्द्र ददा पूर्व महामंत्री विपिन सिंघई नीरज शर्मा प्रहलाद पमद कुमार सहित अन्य प्रमुख जनो ने भेंट कर तिराहे पर संयम स्वर्ण कीर्ति स्तंभ स्थापना करने के साथ ही दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी भूमि संबंधि ज्ञापन में गुना फोर लाइन को ललितपुर से जुड़ने की मांग के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

थूवोनजी जी कीर्ति स्तंभ स्थापना को लेकर दिया ज्ञापन : ज्ञापन में गुना से शाढ़ौरा अशोक नगर थूवोनजी चन्देरी होते हुए ललितपुर फोरलेन से जुड़ जाये तो अशोक नगर जिला तेजी से विकास कर सकता है अभी जिले में एक भी नेशनल हाईवे नहीं है जबकि जिले की सीमा से लगे ललितपुर उत्तर प्रदेश से कानपुर कोटा हाई वे निकाल है वहीं दूसरी ओर गुना से मुम्बई आगरा हाईवे निकला है यदि वीच की 130किलो मीटर दूरी को गोल्डन कोरी डोर के रूप विकास कर दिया जाये तो सम्पूर्ण अशोक नगर जिला विकास की नई राह पर तेजी से बढ़ सकता है अभी जिले में कोई बड़ा उधोग नहीं जिले में फोर लाइन रोड़ के आते ही सभी विकास की सम्भावना खुल जायेगी इस दौरान अशोक नगर स्थित थूवोनजी तिराहे पर कीर्ति स्तंभ एवं थूवोनजी तीर्थ की अतिक्रमण भूमि संबंधी मांग भी केन्द्रीय मंत्री के समक्ष रखते हुए संजीव भारिल्य को सांसद प्रतिनिधि बनाये जाने पर धन्यवाद किया।

थूवोनजी तीर्थ हमारी आस्था का केन्द्र है-सिंधिया : इस दौरान कमेटी मंत्री श्री मंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि थूवोनजी में हमारी आस्था का केन्द्र है अशोक नगर जिले में थूवोनजी तीर्थ क्षेत्र करीला धाम के प्रति लोगों की गहरी आस्था है और हम इन तीर्थ क्षेत्र पर सुविधाओं का विस्तार कर रहे हैं अशोक नगर में कीर्ति स्तंभ स्थापना के संबंध में सीघ कार्य वाही होगी जैन समाज की मांग हमने दयोदय एक्सप्रेस दी गुना से ललितपुर को फोर लाइन रोड़ बनाकर जोड़ने की मांग जैन समाज ने रखी है अभी नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोक लगी है जैसे ही रोक हटेंगी इस दिशा में हम तेजी से काम करेंगे बाद में प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी के साथ अन्य विषयों पर हरीश पपोला को भी अवगत कराया। **-विजय धुर्रा**

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शुक्रवार 15 नवंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

ताशपत्ती से जुआ खेल रहे जुआरी गिरफ्तार

धमतरी(विश्व परिवार)। जिले की थाना नगरी पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानो से जुआ खेल रहे कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से 2600 रूपये तथा ताशपत्ती जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस थाना नगरी को मुखबिर से सूचना मिली की बिजली ऑफ्सि के पास जंगल पारा नगरी में कुछ लोगों द्वारा ताशपत्ती से जुआ खेले जाने की सूचना मिली। सूचना पर तत्काल नगरी पुलिस द्वारा मुखबिर के बताये स्थान बिजली ऑफ्सि,जंगल पारा नगरी पहुंच कर जुआ खेल रहे 4 जुआरियान को घेराबंदी कर पकड़ा गया तथा उनके पास से नगदी रकम 1630 रूपये एवं 52 पत्ती ताश जप्त किया गया। मामले में पुलिस ने इरशाद खान पिता स्व. अब्दुल जब्बार खान उम्र 42 वर्ष साकिन वार्ड क्रमांक 06 नगरी, मनीष शर्मा पिता स्वर्गीय मोहनलाल शर्मा उम्र 32 वर्ष साकिन वार्ड क्रमांक 05 नगरी नगरी, गुलाब नेताम पिता पुराणिक नेताम उम्र 41 वर्ष साकिन वार्ड क्रमांक 02 नगरी तथा जितेंद्र कुमार ध्रुव पिता सरजू राम ध्रुव उम्र 37 वर्ष साकिन वार्ड क्रमांक 04 नगर,थाना नगरी,थाना नगरी जिला धमतरी को गिरफ्तार किया है। ऐसे ही दूसरे मामले में मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर ही ग्राम छिपली गौरा चौक के पास जुआ ताश खेल रहे दो जुआरियों को पकड़ा गया तथा कब्जे से नगदी रकम 970 रू एवं 52 पत्ती ताश जप्त किया गया। मामले में पुलिस ने गेवेन्द्र ब्रह्मा पिता स्वर्गीय भादू राम ब्रह्मा जाति हलबा उम्र 45 वर्ष,साकिन छिपली,थाना-नगरी तथा देवकरण ध्रुव पिता रमेश कुमार ध्रुव उम्र 30 वर्ष साकिनान छिपली,थाना-नगरी,जिला धमतरी को गिरफ्तार किया है।

सर्जिकल ब्लेड से जानलेवा हमला,आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। आपसी विवाद पर जान मारने की नीयत से एक युवक पर सर्जिकल ब्लेड से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला डोंगरगांव थानाक्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार 03.11.2024 को प्रार्थी भागवत निषाद पिता समारू निषाद, उम्र 60 वर्ष, निवासी ग्राम रातापायली के द्वारा डोंगरगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसके बेटे के साथ कुछ लोगों ने गाली गलौच करते हुये जान से मारने की धमकी देकर सर्जिकल ब्लेड से हमला किया है। रिपोर्ट पर थाना डोंगरगांव मे आरोपियों के विरूद्ध धारा 296 , 115(2) , 351(2) , 109(1), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी रीतेश निषाद पिता धनसा निषाद , उम्र- 22 साल, जाति केंवट निवासी स्कुल पारा रातापायली, जिला राजनांदगांव,छग को गिरफ्तार कर ज्यूडिश्यल रिमांड पर भेजा गया। प्रकरण के अन्य दो आरोपी फरार है जिनकी पतासाजी की जा रही है।

कृषि विज्ञान केन्द्र में गोंद उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण संपन्न

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कृषि विज्ञान केन्द्र राजनांदगांव में प्राकृतिक रॉल व गोंद का संग्रहण, प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन पर नेटवर्क परियोजना अंतर्गत गोंद उत्पादन तकनीकी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के परियोजना प्रभारी डॉ. प्रतिभा कटियार ने गोंद को हार्वेस्ट कर सुरक्षित और प्रसंस्कृत करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजनांदगांव जिले में बबूल के पेड़ बहुतायत मात्रा में रॉल व गोंद पाया जाता रहा है। इसके साथ ही बबूल, पलाश, झिंगम, कराया, धावड़ा के पेड़ों से गोंद निकालने, पेड़ों की न्यूनतम ऊंचाई पर प्रचुर मात्रा में गोंद मिलने के स्थान सहित अन्य जानकारी दी गई। डॉ. पीएस पीसलकर ने कृषि उत्पाद के पोस्ट हार्वेस्ट तकनीक के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। प्रशिक्षण में प्रदेश के जिलों में गोंद उत्पादन व प्रसंस्करण पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. गुंजन झा ने गोंद उत्पादन की संभावनाओं, उपयोग तथा उसके प्रसंस्करण से आय में वृद्धि के तरीकों व खाद्य पदार्थ, औषधि के रूप में, कास्मेटिक के निर्माण में रॉल व गोंद के उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी।

जिले में आस्थापूर्वक निभाई तुलसी पूजा की परंपरा

कोरबा(विश्व परिवार)। कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी-शालीग्राम विवाह की परंपरा नगर और जिले में आस्थापूर्वक निभाई गई। इस दिन से मांगलिक कार्यों का शुभारंभ हुआ। सभी क्षेत्रों में सायं 7 बजे के बाद तुलसी चैरा को सजाने के साथ गन्ने के आकर्षक मंडप के बीच पूजा की परंपरा पूरी हुई। महिलाओं ने यहां परिक्रमा करने के साथ सुख-समृद्धि और सौभाग्य की कामना की। आतिशबाजी से विभिन्न क्षेत्रों का नजारा इंद्रधनुषी छटा को बिखेरता रहा।

कलेक्टर की उपस्थिति में जनजातीय गौरव दिवस 2024 के अवसर पर कलेक्टोरेट सभाकक्ष में संगोष्ठी का हुआ आयोजन

आदिवासियों के विकास के लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं की दी गई जानकारी

संगोष्ठी में गोंडी भाषा का संरक्षण, आदिवासी संग्रहालय निर्माण, वाचिक परंपरा के तहत साहित्य के प्रकाशन पर की गई चर्चा

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर संजय अग्रवाल की उपस्थिति में धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जनजातीय गौरव दिवस 2024 के अवसर पर कलेक्टोरेट सभाकक्ष में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के प्रमुख एवं पदाधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि आदिवासी समुदाय के हितग्राहियों तक शत प्रतिशत शासकीय योजनाएं पहुंच सके इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में सभी समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए समस्या समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने एवं लाभान्वित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। कलेक्टर अग्रवाल ने बताया कि जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन 15 नवंबर 2024 को पद्म गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम गौरव पथ राजनांदगांव में किया जाएगा। उन्होंने सभी आदिवासी समाज प्रमुखों एवं पदाधिकारियों को जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होने कहा। संगोष्ठी में बताया गया कि जनजाति समाज की पुरातात्विक ऐतिहासिक धरोहर भाषा, संस्कृति, धर्म और इतिहास रहा है। गोंडवाना संस्कृति एवं इसकी धरोहर साहित्य के माध्यम से वर्ष 1980 के बाद परिलक्षित होती है। गौरव दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज के प्रमुखों ने विभिन्न सामाजिक सांस्कृतिक ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित विचारों को संगोष्ठी में व्यक्त किया। संगोष्ठी में गोंडी भाषा के संरक्षण तथा वन, जंगल, जल व जमीन की सुरक्षा की आवश्यकता को व्यक्त किया। संगोष्ठी में बताया गया कि विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन में 9 अगस्त को बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी होती है, ऐसे ही बड़ी भागीदारी के बीच शासन की योजनाओं को लोगों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। दूरस्थ अंचल के लोगों तक शासन क योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कार्य करने पर चर्चा की गई। आदिवासी समुदाय से परामर्श समिति के विचार लेने, जिला स्तर पर आदिवासी संग्रहालय के निर्माण, वाचिक परंपरा के तहत लिए गए साहित्य का प्रकाशन के संबंध में चर्चा की गई।

बस्तर ओलंपिक में वन भैंसा और पहाड़ी मैना बने आकर्षण के केंद्र, खिलाड़ियों में दिखा जोश

सुकमा(विश्व परिवार)। बस्तर ओलंपिक का आयोजन जिले के तीनों विकासखंडों में जोश और उत्साह के साथ किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण इसके शुभांकर मस्कट वन भैंसा और पहाड़ी मैना हैं, जो बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर और अनोखे वन्य जीवन के प्रतीक हैं। इन शुभंकरों ने ना सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि स्थानीय नागरिकों का भी ध्यान आकर्षित किया है। वन भैंसा एवं पहाड़ी मैना के साथ उत्साह से तस्वीरें खिंचवाई। इस आयोजन में वनांचल क्षेत्र से आए कई खिलाड़ी और नागरिक अपनी प्रतिभा दिखाने पहुंच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के पहल पर बस्तर संभाग में पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना, खेल प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर उनके विकास का मार्ग प्रशस्त करना है। इसी क्रम में जिले के अंतर्गत कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में यह आयोजन सुकमा, छिन्दगढ़, और कोण्टा विकासखंडों में आयोजन किया जा रहा है। विकासखंड सुकमा के गादीरास, चिंगावरम, डोडपाल, मारोकी, कोर्रा, पोरदेम, गुफ्ढी, गोंदपल्ली, गोण्डेरास, विकासखंड छिन्दगढ़ के पुसपाल, किन्दराडा, चितलनार, कोडरीपाल, मेखावाया, तालनार, ओलेर, किकिरपाल, नेतानार, गुम्मा, कोडरीपाल-2, कवासीरास, सौतनार और विकासखंड कोण्टा अंतर्गत मरईगुड़ा, किस्टारम, गोलापल्ली, गंगलेर. पालाचलमा, पोटकपल्ली, करीगुडम ग्रामीणों ने विकासखण्ड मुख्यालयों में कबड्डी, बॉलीबॉल, खो-खो, एथलेटिक्स, लंबी कूद, ऊंची कूद, रस्साकसी (महिला), बैडमिंटन, कराटे, फुटबॉल, तावा फेंक, गोला फेंक, भाला फेंक और तीरंदाजी जैसे खेल विधा में शामिल होकर अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। जिला खेल अधिकारी श्री वीरूपाक्ष पौराणिक ने कहा कि बस्तर ओलंपिक खेलों के आयोजन से जिले के युवा वर्ग और महिलाओं में खेलों के प्रति एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है। इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिल रहा है, और ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों की संस्कृति को मजबूत करने का भी एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करते हैं, साथ ही यह उन्हें जीवन में अनुशासन और टीमवर्क की भी महत्वपूर्ण सीख देते हैं।

बैगा ग्रुप की अनूठी पहल, छत्तीसगढ़ की संस्कृति व परंपरा को रखा जीवंत

देवउठनी एकादशी व तुलसी विवाह पर भुर्री जलाकर तापी आग

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की लोक कलाकारों और लोक संस्कृति को सजोए रखने में अपनी अहम भूमिका निभाने वाली संस्कारधानी की संस्था बैगा ग्रुप राजनांदगांव द्वारा कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की एकादसी 12 नवंबर मंगलवार को तुलसी विवाह के साथ ही पौराणिक व छत्तीसगढ़ की संस्कृति व मान्यताओं के अनुसार देवउठनी एकादसी के अवसर पर भूर्री जलाकर आने वाली ऋतु का स्वागत कल रात्रि में किया गया। बैगा ग्रुप द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया कि महुवा झरे, नई माने काली, हर हर भोला के साथ ही 40 से अधिक आडिओ और विडियो कैसेट सुवा, ददरिया, कर्मा, जस गीत एवं छत्तीसगढ़ी फिल्म जगत में मांग सजादे सजना के माध्यम से लोक संस्कृति व लोक कलाकारों को हमेशा आगे लाने वाली नगर की संस्था बैगा ग्रुप ने अपने 33 साल से भी अधिक समय से छत्तीसगढ़ की पौराणिक परंपरा देवउठनी एकादसी पर भगवान सालिगराम व तुलसी माता के विवाह पश्चात छत्तीसगढ़ की संस्कृति व मान्यता अनुसार भूर्री जलाने की प्रथा को इस बार भी आयोजित किया। इस बार 12 नवंबर मंगलवार को देवउठनी एकादशी के अवसर पर पुरानी टोकनी, सुपा, झवहा को एकत्रित कर बैगा ग्रुप ने अपने नियमित बैठक स्थल मानव मंदिर चौक सिनेमा लाईन मार्ग पर कल रात्रि में भूर्री प्रज्वलित कर आने वाली ऋतु के आगमन का स्वागत किया। वहीं इस अवसर पर एक दूसरे को तुलसी विवाह व देवउठनी एकादसी की बधाई व शुभकामनाएं दी। एकादशी पर आयोजित भुर्री प्रज्वलन के अवसर पर लोक कलाकारों व संस्कृति को संजोए रखने वाले बैगा ग्रुप के राजेश मारु के मार्गदर्शन में एवं गणेश प्रसाद शर्मा 'गन्नू', रचनाकार हर्ष कुमार बिंदू, के साथ ही अन्य सदस्यगण भी उपस्थित थे।

हर-घर पानी मेरे गांव बारेगुड़ा की कहानी

बीजापुर(विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय से लगभग 65 किलोमीटर दूर पर ग्राम बारेगुडा स्थित है, बारेगुडा से विकासखंड भोपालपटनम की दूरी 15 किमी. पर है, ग्राम में कुल 212 परिवार निवासरत् है। यहाँ के ग्रामीणों को 21 हैण्डपंपो के माध्यम से पीने के लिए पानी की सुविधा प्राप्त होती रही है। ग्राम से लगे लगभग 1 किमी. दूरी इन्द्रावती नदी स्थित है, इसलिए यहाँ का जल स्त्रोत अच्छा है ग्राम से मुख्य रुप से लोहार, मरार, कापेवार समुदाय के लोग बसे हुए है। जल जीवन मिशन योजना की उपलब्धि- जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत ग्राम में निवासरत् 212 परिवार के 726 लोगों को 4 जी.आई. स्टील स्ट्रक्चर के माध्यम से घर पर ही शुद्ध पेयजल प्रदाय किया जा रहा है, ग्राम बारेगुडा को ग्रामसभा के माध्यम से 22 अक्टूबर 2024 को सरंपच यालम अनिता एवं सचिव चंदा राम वडडे तथा ग्रामवासियों तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखंड भोपालपटनम के उप अभियंता डी.आर.बंजारे के साथ विभागीय कर्मचारी द्वारा हर-घर जल प्रमाणीकरण किया गया।

सहायक उपकरण पाकर दिव्यांगजनों के खिले चेहरे

एक दिव्यांग को बैटरी ट्राईसाइकिल और 06 को श्रवण यंत्र

कांकेर(विश्व परिवार)। जिले के 07 दिव्यांगजनों को गत 11 नवम्बर को जिला पंचायत परिसर में समाज कल्याण विभाग द्वारा एक बैटरी ट्रायसाइकिल एवं 06 श्रवण यंत्र के साथ कुल 07 उपकरण प्रदाय किया गया। सहायक उपकरण पाकर सभी दिव्यांगजन अत्यंत अभिभूत हुए और उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उप संचालक समाज कल्याण ने बताया कि कांकेर विकासखण्ड के ग्राम बारदेवरी के दिव्यांग गवालराम पटेल जो पैर से दिव्यांग है और वे फील्ड का काम करते हैं, उन्हें मांग अनुसार बैटरी ट्रायसाइकिल प्रदाय की गई। इसी प्रकार ग्राम बारदेवरी के फानूराम प्रधान, विकासखण्ड चारामा के ग्राम डेढ़कोहका के सनतराम सिन्हा, विकासखण्ड अंतागढ़ के ग्राम पंचायत चारगांव के मेजर सिंह धुर्वे, संतोषी नगर वार्ड नंबर 15 भानुप्रतापपुर निवासी चिन्ताराम मरकाम, संजय नगर वार्ड कांकेर निवासी हुसैन खान और राजापारा कांकेर के मुकेश कुमार जैन को श्रवण यंत्र प्रदाय किया गया। श्रवण यंत्र मिलने पर दिव्यांगजनों ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि अपने दैनिक दिनचर्या में आने-जाने से लेकर परिजनों से बातचीत आदि में काफी समस्या का सामना करना पड़ता था। वहीं उपकरण मिलने पर दिव्यांग गवालराम पटेल का चेहरा खुशी से खिल उठा और कहा- अब मैं आसानी से अपने फील्ड काम से आ-जा सकता हूँ। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधायक आशाराम नेताम एवं कलेक्टर नीलेश महादेव क्षीरसागर का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी, पंचायत भवन, पीडीएस गोदाम और पीएम आवास को मिशन मोड में पूरा करे : कलेक्टर

जनपद सीईओ से लेकर प्रत्येक मैदानी अमले को फील्ड विजिट करने कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

बीजापुर(विश्व परिवार)। सोमवार को जिला कार्यालय के इन्द्रावती सभाकक्ष में कलेक्टर संबित मिश्रा ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की बैठक लेकर निर्माणधीन आंगनबाड़ी भवन, पंचायत भवन, पीडीएस गोदाम और स्वीकृत प्रधानमंत्री आवासों को प्राथमिकता के साथ जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। वर्किंग सीजन में निर्माण कार्यों को गति देने जनपद सीईओ से लेकर प्रत्येक मैदानी अमले को प्रतिदिन फील्ड विजिट कर प्रगति से अवगत कराने को कहा। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत रमेश नंदनवार की उपस्थिति में सभाकक्ष में मनरेगा, पी एम आवास सहित एनआरएलएम और स्वच्छ भारत मिशन की भी गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने मनरेगा योजनान्तर्गत अंतर्गत समयबद्ध मजदूरी भुगतान, आधार आधारित भुगतान प्रणाली और निर्माण कार्यों के जियो टैगिंग में प्रगति लाने के निर्देश दिए। वित्तीय वर्ष 2020-21 व 21-22 के अपूर्ण कार्यों के प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने को कहा। आंगनबाड़ी भवन, पंचायत भवन, उचित मूल्य की दुकान और स्वीकृत प्रधानमंत्री आवासों को जल्द पूर्ण करने जनपद सीईओ सहित योजना से जुडे ब्लाक स्तर के अधिकारी और ग्राम पंचायत स्तर के मैदानी अमलों को प्रतिदिन फील्ड विजिट कर निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति से अवगत कराने के निर्देश दिए।

आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों ने ईसीसीई गतिविधियों का प्रदर्शन किया

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। 14 नवंबर बाल दिवस के अवसर पर एकीकृत बाल विकास परियोजना गीदम में आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों द्वारा ईसीसीई गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। परियोजना स्तरीय आयोजित ईसीसीई गतिविधि में शासन के निर्देशानुसार दिए गए थीम के अनुरूप पंचायत स्तर, सेक्टर स्तर पर बच्चों का चयन किया गया तत्पश्चात दिनांक 13 नवंबर को परियोजना स्तरीय ईसीसीई गतिविधियों का आयोजन गीदम में किया गया। बच्चों द्वारा कविता पाठ, बाल गीत, कहानी, चित्रकारी व आउट डोर गेम आदि गतिविधि किया गया। तोतले तोतले शब्दों में कविता कहानी बोलकर बच्चे बहुत खुश हुए। 3 से 6 वर्ष के बच्चों द्वारा मंच पर माइक से बोल पाना बहुत ही अतुलनीय है। सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र परियोजना अधिकारी श्री ऋतिष टण्डन, बी आर सी गीदम श्री जितेंद्र सिंह चौहान द्वारा वितरण किया गया। बी आर सी गीदम द्वारा बच्चों को चॉकलेट वितरण किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सेक्टर पर्यवेक्षक व स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शुक्रवार 15 नवंबर 2024

व्यापार समाचार

नई कपास की आवक होने से बिनौला खल में आई गिरावट

जयपुर(एजेंसी)। उत्तर भारत की मंडियों में नए कपास की आवक होने से इन दिनों बिनौला खल में गिरावट का रुख देखा जा रहा है। दिवाली से अब तक करीब दो सप्ताह के अंतराल में बिनौला खल में 200 से 250 रुपए प्रति क्विंटल निकल चुके हैं। जयपुर मंडी में बुधवार को बिनौला खल 3850 से 4150 रुपए प्रति क्विंटल पर घटाकर बेची जा रही थी। पंजाब की बठिंडा मंडी में भी बिनौला खल मंदी में बिकने के समाचार हैं। देश में कपास का उत्पादन हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ तथा आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में होता है। नया सीजन शुरू होने से एनसीडैक्स पर भी बिनौला खल दिसंबर डिलीवरी में नरमी का रुख बना हुआ है। जयपुर स्थित प्रमुख फर्म सत्य ट्रेडिंग कंपनी के दिनेश वैद ने बताया कि नवंबर के दौरान कैटल फीड मार्केट में सामान्य उतार-चढ़ाव रहने की संभावना है। वैद के अनुसार वर्तमान हालात को देखते हुए नए मालों की आवक का दबाव बढ़ने तक बिनौला खल की कीमतों में तेजी की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि आवक दबाव बढ़ने पर बिनौला खल में और गिरावट देखने को मिल सकती है। इस बीच स्थानीय कैटलफीड मार्केट में लाल तिल पपड़ी 3600 रुपए तथा लाल तिल डली 5300 रुपए प्रति क्विंटल पर स्थिर बनी हुई थी। इसी प्रकार बंगाल तिल्ली के भाव 7500 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास बोले जा रहे थे। सरसों एवं सरसों तेल के भावों में दो-तीन दिन से लगातार नरमी का रुख बना हुआ है। तेल मिलों की डिमांड कमजोर होने से सरसों मिल डिलीवरी 42 प्रतिशत तेल कंडीशन बुधवार को 50 रुपए और मंदी होकर 6600 रुपए प्रति क्विंटल पर आ थमी। एगमार्क सरसों तेल भी 10 से 20 रुपए प्रति टिन घटाकर बेचा जा रहा था। गौरतलब है कि देश के उत्पादन केन्द्रों पर सरसों की बिजाई शुरू हो गई है। नई सरसों की आवक फरवरी के अंतिम सप्ताह या मार्च के पहले पखवाड़े में शुरू हो जाती है। देश की उत्पादक मंडियों में आज करीब सवा दो लाख बोरी सरसों की आवक होने के समाचार हैं।

पीडब्ल्यू स्कूल ऑफस्टार्टअप्स भारत के उद्यमियों को सलाह और फंडिंग देकर समर्थन करने के लिए तैयार

बिलासपुर। फिजिक्स वाला की पहल, पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स, ने अपने पहले बैच आरम्भ 1.0 को पूरा किया है, जिसका उद्देश्य भारत भर के नए उद्यमियों को एक साथ लाना है। पहले चरण की समाप्ति के बाद, दूसरा बैच आरम्भ 2.0 के लिए आवेदन खुल चुके हैं, जो 19 नवंबर, 2024 से नोएडा कैंपस में शुरू होने वाला है। पीडब्ल्यू स्कूल ऑफ स्टार्टअप्स का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और भारत के भविष्य के उद्यमियों को अपने विचारों को आगे बढ़ाने में सहायता प्रदान करना है। पीडब्ल्यू स्कूल ऑफस्टार्टअप्स नए उद्यमियों को सलाह और वित्तीय संसाधनों के साथ समर्थन करने का प्रयास कर रहा है। यह पांच-दिवसीय रेजिडेंशियल प्रोग्राम ने भारत के विभिन्न स्थानों से प्रतिभागियों का स्वागत किया, जिनमें बिहार के मोतिहारी से लेकर केरल के कोच्चि तक प्रतिभागी शामिल हैं। आरम्भ 1.0 ने प्रतिभागियों को एक शानदार सीखने का अनुभव प्रदान किया। जिसमें बॉम्बे शेविंग कंपनी के सीईओ शंतनु देशपांडे, IIM और DT के प्रोफेसर, पी डब्लू के चीफ टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट ऑफिसर, विनीत गोविल और वीपी-प्रोडक्ट, योगेश शुक्ला जैसी इंडस्ट्री से जुड़ी हस्तियों के सत्र शामिल थे। इन मेंटर्स ने स्टार्टअप स्किल्स पर व्यवहारिक जानकारी साझा की, जिसमें यूनिट इकॉनॉमिक्स, MVP (मिनिमम वायबल प्रोडक्ट) डेवलपमेंट, ब्रांड बिल्डिंग और प्रभावी पिचिंग जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस प्रोग्राम के दौरान, छात्रों ने स्थानीय प्रभाव उत्पन्न करने के कई अनोखे विचार प्रस्तुत किए। कुछ प्रोजेक्ट्स में पास के ग्राहकों के साथ स्थानीय दुकानदारों को जोड़ने वाला एक प्लेटफॉर्म और किसानों की मदद के लिए ऑर्गेनिक खाद प्रदान करने वाला एक इको-सस्टेनेबल समाधान शामिल था।

सुपर्ब आइडियाज़ ट्रेंडिंग की यूट्यूब सीरीज़ को 'पति पत्नी और बेबी' के रूप में कलर्स पर नया घर मिला

नईदिल्ली। घर वह जगह है जहां आपका मन बसता है! जबकि यह साल खत्म होने वाला है, इसलिए अपने प्रियजनों के साथ बैठकर पारिवारिक ज़िंदगी की अनोखी मस्ती का आनंद लेने का इससे बेहतर समय और कोई नहीं हो सकता। 2024 के फिनाले को और भी खास बनाते हुए, कलर्स 'पति पत्नी और बेबी' नाम से सुपर्ब आइडियाज़ ट्रेंडिंग की पसंदीदा यूट्यूब सीरीज़ पेश कर रहा है। यह सहयोग यूट्यूब की लोकप्रिय सीरीज़ की हंसी, प्यार और छोटी-मोटी तकरार को टेलीविजन पर लेकर आया है, जिसका उद्देश्य देश भर के परिवारों को उनके लिविंग रूम में ह्यूमर का नवीन डोज़ पेश करना है। दैनिक जीवन की स्थितियों को लेकर शादी और परिवार से जुड़े दिलचस्प किस्सों से भरपूर, इस मज़ेदार स्लाइस-ऑफ़-लाइफ़ शो में कई बेहतरीन कलाकार हैं: छवि मित्तल तुनकमिजाज़ी रोहिणी हैं, करण वीर ग्रोवर उनके प्यारे पति ऋषि की भूमिका में हैं, प्राचीन चौहान एक आदर्श पति अभिमन्यु की भूमिका में हैं, और पूजा गौर अभिमन्यु की समझदार पत्नी मीरा की भूमिका में हैं, साथ ही एक उपद्रवी घरेलू सहायिका, बेबी का किरदार शुभांगी लिटोरिया ने निभाया है। सुपर्ब आइडियाज़ ट्रेंडिंग द्वारा निर्मित, 'पति पत्नी और बेबी' का प्रीमियर 18 नवंबर को होगा और यह हर दिन 12:30 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होगा। कलर्स का दर्शकों का बेस बहुत ज़्यादा है और सुपर्ब आइडियाज़ ट्रेंडिंग का सिग्नेचर ह्यूमर भारतीय घरों के हंगामे को दर्शाता है। जिनकी साझेदारी मनोरंजन के असाधारण मंच का निर्माण करती है। अपने दिल छूने वाले, भरोसेमंद और नवीन कॉन्टेंट से दर्शकों का निरंतर दिल जीतने के कलर्स के बेजोड़ ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, 'पति पत्नी और बेबी' आकर्षक शोज़ की इसकी लाइब्रेरी में एक बेहतरीन सदस्य के रूप में पूरी तरह से फिट बैठता है। परिवार के सदस्य जिस तरह से दिन-प्रतिदिन की चुनौतियों का सामना करते हैं, इसके सटीक प्रदर्शन ने पिछले कुछ सालों में लाखों ऑनलाइन फैंस का दिल जीता है। भाई-बहनों के झगड़ों से लेकर ससुराल वालों के तनाव और पति-पत्नी की हल्की-फुल्की नोकझोंक तक, यह शो कई भारतीयों के अनुरूप, ज़िंदगी का मज़ेदार और भरोसेमंद चित्रण पेश करता है।

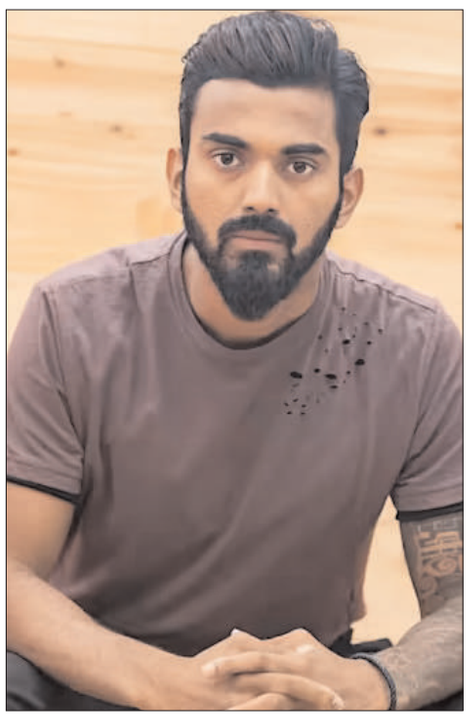

केएल राहुल का आरसीबी और विराट कोहली पर बड़ा बयान, 8 साल पहले हुई घटना का किया जिक्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए नीलामी 24 और 25 नवंबर को होनी है. इस नीलामी में केएल राहुल किस टीम के साथ जुडेंगे इस बात को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा है. चर्चा ये भी है कि नीलामी में आरसीबी राहुल को खरीद लेगी और वे इस टीम के अगले कप्तान हो सकते हैं. पूर्व में राहुल ने भी ऐसी इच्छा जताई है. बहरहाल, नीलामी से पहले राहुल ने आरसीबी और विराट को लेकर बेहद इमोशनल बयान दिया है. केएल राहुल ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है. इस इंटरव्यू में उन्होंने कई विषयों पर खुलकर अपनी बात कही है. इस कड़ी में उन्होंने 8 साल पहले की ऐसी घटना का जिक्र भी किया है जो उनसे, विराट से और आरसीबी से जुड़ी हुई है. दरअसल, ये घटना आईपीएल 2016 के फाइनल की है. इस सीजन शुरुआती 7 में 5 मैच हारने के बाद आरसीबी फाइनल में पहुंची थी लेकिन फाइनल में उसे हैदराबाद से हार का सामना करना पड़ा था. राहुल फाइनल हारने वाली आरसीबी टीम का हिस्सा थे. हालिया इंटरव्यू में राहुल ने उस फाइनल का जिक्र करते हुए कहा है कि, मैं और विराट अक्सर उस फाइनल की बात करते हैं. कैसे शुरुआती 7 में 5 मैच हारने के बाद हम फाइनल में पहुंचे लेकिन फाइनल जीतने के मौके को नहीं भूना पाए. ये काफी अफसोसजनक था. इंडियन प्रीमियर लीग 2016 कई मायनों में ऐतिहासिक था. विराट कोहली ने उस सीजन 4 शतक लगाते हुए रिकॉर्ड 973 रन बनाए थे और टीम को फाइनल में लेकर आए थे. लेकिन फाइनल में उनकी और गेल की अच्छी पारी के बावजूद आरसीबी को हार का सामना करना पड़ा था. फाइनल में हैदराबाद ने 208 रन बनाए थे. गेल 76 और विराट के 54 रन और इनके बीच निभाई गई पहले विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी के बाद भी आरसीबी को 8 रन से हार का सामना करना पड़ा था. राहुल ने उस मैच में 11 रन बनाए थे. राहुल ने अपने इंटरव्यू में कहा है कि, हम और विराट ये बात करते हैं कि अगर हम दोनों में से कोई कुछ देर और खेल गया होता तो उस साल हम चैंपियन होते. राहुल 2013 से लेकर 2016 तक आरसीबी का हिस्सा रहे हैं. अब एक बार फिर से उनकी इस टीम में वापसी की संभावना जताई जा रही है लेकिन उन्होंने कहा कि मेगा ऑक्शन में सभी विकल्प खुले हैं. देखना होगा कि कौन सी टीम मुझे खुद से जोड़ना चाहती है.

चैंपियंस ट्रॉफी ना खेलने पर पाकिस्तान को होगा अरबों का घाटा, झेल सकता है निलंबन

नईदिल्ली(एजेंसी)। अगले साल 50 ओवर प्रारूप में चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजना होना है। जिसके लिए भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान का दौरा नहीं करने वाली है।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अपने मैच दुबई में खेलने की इच्छा जताई है।अब पीसीबी टूर्नामेंट का संभावित बहिष्कार करने को सोच रही है। अगर ऐसा होता है तो उनके लिए यह बड़े घाटे का सौदा होगा। वह निलंबन भी झेल सकते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मेजबान पाकिस्तान को पत्र लिखकर कह दिया है कि भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया है।वहीं पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी भी कह चुके हैं कि पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हाइब्रिड मॉडल नहीं अपनाएगा। रिपोर्ट्स की माने तो पाकिस्तान सरकार अपनी टीम को टूर्नामेंट से हटाने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट को निलंबित कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार यदि पीसीबी टूर्नामेंट का बहिष्कार करती है तो मेजबान पाकिस्तान को मेजबानी शुल्क की पूरी राशि जो 6.5 करोड़ डॉलर (लगभग 5 अरब रुपये) है, उससे वंचित होना पड़ेगा।साथ ही आईसीसी से मिलने वाली धनराशि में भी कटौती होगी।यदि पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल अपनाने का फैसला करता है तो आईसीसी पाकिस्तान बोर्ड को पूरी मेजबानी फीस और उसे अधिकांश मैच घर पर कराने का भी मौका देगा। एशिया कप 2023 की मेजबानी भी पाकिस्तान के पास थी, लेकिन बीसीसीआई ने दबाव बनाकर भारत के मैचों का आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तहत कराया था।पिछले संस्करण में भारत ने एशिया की सबसे बड़ी क्रिकेट प्रतियोगिता में अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे।नेपाल, बांग्लादेश, अफगानिस्तान क्रिकेट टीम और श्रीलंका क्रिकेट टीम के कुछ मैच पाकिस्तान में खेले गए थे। उस संस्करण में भारत ने फाइनल में श्रीलंका को हराते हुए खिताब जीता था।

स्मिथ की अच्छी खेल योजनाओं को तोड़ने के तरीके खोज लिए हैं : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली(एजेंसी)। अनुभवी भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में स्टीव स्मिथ के खिलाफ़ कई मुकाबलों में उनकी अच्छी खेल योजनाओं को तोड़ने के तरीके खोज लिए हैं। उन्होंने कहा कि आईपीएल में उनके समय के दौरान नेट सेशन ने उन्हें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ के खिलाफ़ तैयारी करने के तरीके के बारे में भी जानकारी दी। 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली आगामी बॉर्डर-गावस्कर सीरीज़ में दोनों दिग्गज अपनी प्रतिद्वंद्विता को फिर से जगाने के लिए तैयार हैं। यह जोड़ी 2013 से टेस्ट क्षेत्र में प्रतिद्वंद्वी रही है, जिसमें संघर्षरत स्मिथ को 2020-21 सीरीज़ की शुरुआत में अश्विन ने

दो बार आउट किया था। जब ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में भारत का दौरा किया, तो स्मिथ दो बार अश्विन और तीन बार रवींद्र जडेजा के हाथों आउट हुए। अश्विन ने कहा, स्टीव स्मिथ स्पिन के खिलाफ़ एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनके पास अपनी अनूठी तकनीक है, यहां तक कि तेज़ गेंदबाज़ी के खिलाफ़ भी। लेकिन स्पिन के साथ, मुझे लगता है कि वह बेहतरीन गेम प्लान, बेहतरीन तैयारी के साथ आए थे और हाँ, वह इसे अंजाम देते थे। और पिछले कुछ सालों में मैंने इसे तोड़ने के तरीके और साधन खोज लिए हैं। दिल्ली कैपिटल्स में उनका समय, राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स में उनका समय, ये सभी नेट सेशन जो मैंने उन्हें अपने काम के बारे में करते हुए देखे हैं, उनसे मुझे वास्तव में यह समझ में आया कि वह कैसे तैयारी करते हैं और उन्हें क्या पसंद है और क्या नहीं। अश्विन ने कहा,वह बहुत ही सोच-समझकर खेलने वाले क्रिकेटर हैं। वह हर समय आप पर हावी होना चाहते हैं।

अदाणी समूह की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को देख यूरोपीय राजदूत चकित

अहमदाबाद(एजेंसी)। गुजरात के दौरे पर आए यूरोपीय संघ, जर्मनी, डेनमार्क और बेल्जियम के राजदूत अदाणी समूह के अक्षय ऊर्जा प्रतिष्ठानों के आकार और पैमाने को देख कर चकित हो गए। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में यूरोपीय राजनयिकों को गुजरात में समूह अक्षय ऊर्जा प्रतिष्ठानों का दौरा कराया गया। इस दौरान राजनयिकों का प्रतिनिधिमंडल समूह के खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क भी गया। यह 30 गीगावाट की क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क बनने वाला है। इसमें पेरिस शहर से पांच गुना बड़े क्षेत्र में सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। राजदूतों ने कंपनी के प्रमुख बंदरगाह, मुंद्रा पोर्ट पर अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं को भी देखा। अदाणी समूह यहां फोटोवोल्टिक पैनल और पवन टर्बाइन का उत्पादन करता है। ये कंपनी की 2030 तक 45 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की रणनीति का अभिन्न अंग हैं, जो भारत के डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों के अनुरूप है। यात्रा के दौरान, समूह के चेयरमैन अदाणी ने ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ाने के लिए समूह की महत्वाकांक्षी योजनाओं को रेखांकित

किया। इसका उद्देश्य यूरोपीय संघ की गैर-जैविक मूल के नवीकरणीय ईंधन (आरएफएनबीओ) की आवश्यकताओं को पूरा करना है। यह पहल भारत में दुनिया के सबसे बड़े सौर ऊर्जा पार्क के विकास सहित हरित ऊर्जा में 70 बिलियन डॉलर के निवेश का हिस्सा है। इस मौके पर हुई चर्चा में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। यूरोपीय राजदूतों ने इस परिवर्तनकारी बदलाव में उनके नेतृत्व के लिए भारतीय व्यवसायों, विशेष रूप से अदाणी समूह की सराहना की। उन्होंने स्थिरता और ऊर्जा क्षेत्रों में भारतीय और यूरोपीय कंपनियों के बीच बढ़ते व्यापार-से-व्यापार सहयोग पर प्रकाश डाला। यह जुड़ाव यूरोपीय संघ और भारत के बीच मजबूत साझेदारी को रेखांकित करता है। इसका उदाहरण यूरोपीय संघ-भारत स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु साझेदारी है। 2016 में स्थापित यह पहल स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और पेरिस समझौते को लागू करने के लिए नीतिगत संवाद, नवाचार और प्रौद्योगिकी साझाकरण को बढ़ावा देती है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने वर्षान्त पेशकशों के साथ ग्लैन्जा, अर्बन क्रूजर टैसर और अर्बन क्रूजर हाईराइडर के स्पेशल लिमिटेड एडिशन पेश किये

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर कार खरीदारों के लिये इस साल वर्षान्त को आकर्षक बनाने के लिए उत्साहित है। इसके लिए इसने अपने लोकप्रिय मॉडल के स्पेशल लिमिटेड एडिशन पेश किये हैं। ये हैं – ग्लैन्जा, अर्बन क्रूजर टैसर और अर्बन क्रूजर हाईराइडर। हाल में पेश किए गए फेस्टिवल लिमिटेड एडिशन को मिली जोरदार कामयाबी के बाद, स्पेशल लिमिटेड-एडिशन टोयोटा की प्रतिबद्धता को ग्राहक के केंद्र में ले जाता है और इस एक कदम के लिए टोयोटा जेनुइन एक्सेसरी (टीजीए) पैकेज की पेशकश की जाती है। ग्राहकों को अपने वाहनों को व्यैक्तिक करने देकर, स्पेशल लिमिटेड-एडिशन के रूप में खरीदारों को एक विशेष उन्नत रूपांतर खरीदने और रखने की अनुमति देता है। यह स्टाइल और बेहतर उपयोगिता के एक शानदार मेल के साथ मिलता है। इससे ग्राहकों के लिए स्पेशल एडिशन पैकेज और एक्सक्लूसिव वर्षान्त पेशकशों में से चुनना संभव होता है। स्पेशल लिमिटेड एडिशन के अलावा, टोयोटा ग्लैन्जा अर्बन क्रूजर टैसर और रुमियन (सीएनजी मॉडल को छोड़कर) पर टोयोटा 1 लाख रुपये से ऊपर की कीमत पर साल के अंत में विशेष ऑफर दे रही है। शानदार उपभोक्ता लाभ 31 दिसंबर 2024 तक मिलते रहेंगे। टोयोटा ग्राहक प्रथम दर्शन (कस्टमर फर्स्ट फिलॉस्फी) पर टिप्पणी करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वाइस प्रेसिडेंट, बिक्री-सेवा-प्रयुक्त कार व्यवसाय, श्री सबरी मनोहर ने कहा, हम, ग्लैन्जा, अर्बन क्रूजर टैसर और अर्बन क्रूजर हाइराडर के हमारे पूर्व घोषित फेस्टिवल एडिशन को मिली ग्राहकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया से रोमांचित हैं।

अरविंदर सिंह साहनी ने इंडियनऑयल के अध्यक्ष का पदभार संभाला

नई दिल्ली: श्री अरविंदर सिंह साहनी ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (इंडियनऑयल) के नए अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया है। इन्हें तेल एवं गैस उद्योग के विशेषज्ञ के रूप में लगभग तीन दशकों का वृहत अनुभव है। श्री साहनी ने एचबीटीआई, कानपुर से केमिकल इंजीनियर की डिग्री प्राप्त करने के बाद वर्ष 1993 में इंडियनऑयल के साथ अपने करियर की शुरुआत की। पिछले कई वर्षों में, उन्होंने रिफाइनरी संचालन, तकनीकी सेवाएँ, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण (एचएसई) और पेट्रोकेमिकल सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख पदों पर अपना योगदान दिया है। उन्होंने 15 एमएमटीपीए की रिफ़ाइनिंग क्षमता वाले पारादीप रिफ़ाइनरी के कमीशनिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने भारत की रिफाइनिंग

क्षमता और ऊर्जा सुरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ किया है। अध्यवक्ष की भूमिका संभालने से पहले, श्री साहनी इंडियनऑयल के पेट्रोकेमिकल वर्टिकल के प्रमुख थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल परियोजनाओं की योजना बनाने में अहम भूमिका निभाई, जिसमें पारादीप में बनने वाला बड़ा पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स भी शामिल है, जिससे पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में इंडियनऑयल की उपस्थिति में उल्लेखनीय विस्तार होगा। श्री साहनी जन-केंद्रित संस्कृति के प्रबल समर्थक हैं और इंडियनऑयल के मुख्य व्यवसाय को मजबूत करने के साथ-साथ हरित ऊर्जा पहलों का विस्तार करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

कंपनी के लिए उनका विज़न वैश्विक स्तर पर सस्टेनेबिलिटी के अनुरूप है, जो इंडियनऑयल को ऊर्जा क्षेत्र में लीडर के रूप में स्थापित करता है।

श्री साहनी टेरा क्लीन लिमिटेड के अध्यक्ष भी हैं, जो इंडियनऑयल की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है और सस्टेनेबल समाधानों पर केंद्रित है। वह कनाडा में इंडऑयल मोंटनी लिमिटेड के निदेशक भी हैं, जो इंडियनऑयल की एक अन्यक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

फ्लिपकार्ट ने मध्य प्रदेश में अपनी सप्लाई चेन क्षमता को बढ़ाया

रायपुर। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने इंदौर मध्य प्रदेश में अत्याधुनिक फुलफिलमेंट एवं सॉर्टेशन सेंटर खोला है। यह सेंटर 1.59 लाख वर्ग फीट में बना है। इस रणनीतिक निवेश से राज्य में डिलीवरी की गति तेज होगी, स्थानीय स्तर पर 600 से ज्यादा रोजगार सृजित होंगे और राज्य के सभी पिन कोड तक डिलीवरी सर्विस उपलब्ध कराई जाएगी। यह सेंटर बुनियादी ढांचे के विकास और स्थानीय प्रगति को लेकर फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता को दिखाता है। सेंटर की लॉन्चिंग के मौके पर माननीय सांसद श्री शंकर लालवानी, फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार व अन्य प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। यह सेंटर मध्य प्रदेश में विस्तार करने

के फ्लिपकार्ट के प्रयासों की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। इस अवसर पर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर श्री रजनीश कुमार ने कहा फ्लिपकार्ट पूरे भारत में समावेशी विकास और डिजिटल सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्थानीय समुदायों संग हमारे जुड़ाव के साथ-साथ इंदौर, मध्य प्रदेश में नए फुलफिलमेंट सेंटर की लॉन्चिंग सतत विकास को बढ़ावा देने, एमएसएमई को समर्थन देने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की हमारी प्रतिबद्धता दिखाती है। स्थानीय समुदायों को जरूरी टूल्स, बाजार तक पहुंच और मजबूत सप्लाई चेन से लैस करते हुए हम उन्हें सतत आजीविका के सृजन में मदद कर रहे हैं और भारत के व्यापक आर्थिक विकास में सक्रियता से भूमिका निभा रहे हैं।'

" हमारी विरासत, हमारा गौरव "
25 रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़
छत्तीसगढ़ शासन
स्वाधीनता
हेतु किया समर
जनजातीय
वीर रहें अमर
15 नवंबर 2024
जनजातीय गौरव दिवस
#माटी_के_वीर
SAMVAD- 42107/ 85
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क